वर्ष-10 अंक-258 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, गुरुवार 26 दिसम्बर 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

नगर संस्करण

Download From

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

संक्षिप्त समाचार

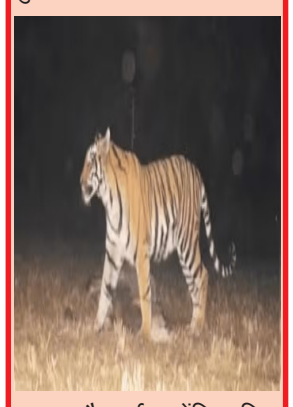

ओडिशा से भटककर बंगाल पहुंची 'बाघिन जीनत' को पकड़ने का प्रयास जारी, अंतिम बार बंदवान ब्लॉक देखी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। ओडिशा से कोलकाता पहुंची बाघिन की खोजबीन जारी है। अधिकारी के अनुसार बाघिन को दिन में बंदवान ब्लॉक के राइका हिल के जंगलों में देखा गया। जहां पास में बकरी का आधा खाया हुआ शव मिलने से ग्रामीणों में

दहशत फैल गई, क्योंकि बाघिन लगातार वन कर्मियों को चकमा दे रही थी। ओडिशा से भटक कर पश्चिम बंगाल पहुंची बाघिन को पकड़ने का प्रयास जारी है। मामले में अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के सिमिलिपाल रिजर्व फॉरेस्ट से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में भटककर आई बाघिन जीनत को पकड़ने के लिए मंगलवार को भी प्रयास जारी थे। अधिकारी के अनुसार बाघिन को दिन में बंदवान ब्लॉक के राइका हिल के जंगलों में देखा गया। जहां पास में बकरी का आधा खाया हुआ शव मिलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई, क्योंकि बाघिन लगातार वन कर्मियों को चकमा दे रही थी। वहीं अधिकारी ने इस मामले में कहा कि हमने ग्रामीणों से कहा है कि वे अपने मवेशियों को जंगल में न जाने दें। घबराने की कोई बात नहीं है। बकरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुंदरबन टाइगर रिजर्व की टीम सहित वन विभाग की दो टीमें बाघिन की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं और ओडिशा वन विभाग की टीमें भी इसकी निगरानी कर रही हैं। जानकारी के अनुसार जीनत पांच दिन पहले झारखंड से पश्चिम बंगाल आई थी और झारग्राम तथा पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में घूमने के बाद वह पुरुलिया पहुंची। वह अब तक सिमिलिपाल लौटने के कोई संकेत नहीं दिखा रही है। बाघिन ने नए इलाके की तलाश में पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के जंगलों में 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है। अधिकारी ने कहा कि हम उसे सिमिलिपाल वापस लाने या पकड़कर वहीं छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

रेलवे की पटरी पर अधेड़ ने दिया मौत को चकमा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। घटना सोमवार शाम करीब 5 बजे कन्नूर और चिरक्कल रेलवे स्टेशनों के बीच तब हुई, जब मैंगलोर-तिरुवनंतपुरम ट्रेन गुजरी। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

होने के बाद रेलवे पुलिस ने उस व्यक्ति की पहचान 56 वर्षीय पवित्रन के रूप में की, जिसे छोटे कद का बताया गया। केरल के कन्नूर जिले से एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति सामने से आ रही ट्रेन से चमत्कारिक रूप से बचते हुए दिख रहा है। वायरल वीडियो में कन्नूर के पास एक व्यक्ति ट्रेन के ऊपर से गुजरने के दौरान पटरियों पर लेट जाता है। ट्रेन गुजरने तक वह बिना सिर उठाए बैठा रहा। घटना सोमवार शाम करीब 5 बजे कन्नूर और चिरक्कल रेलवे स्टेशनों के बीच तब हुई, जब मैंगलोर-तिरुवनंतपुरम ट्रेन गुजरी। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद रेलवे पुलिस ने उस व्यक्ति की पहचान 56 वर्षीय पवित्रन के रूप में की, जिसे छोटे कद का बताया गया। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि पवित्रन का बयान दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, पवित्रन ने दावा किया कि वह फोन पर बात कर रहा था और उसे ट्रेन का पता नहीं चला। जब उसे खतरे का अहसास हुआ, तो भागने का समय नहीं था और उसने एक पल में ही फैसला कर लिया और ट्रैक पर लेट गया।

तेलंगाना के सीएम रेड्डी का दावा, चीन पर भारतीय 2000 किलोमीटर से अधिक भूमि अतिक्रमण का लगाया आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। तेलंगाना के सीएम रेड्डी ने भारतीय भूमि पर चीन के अतिक्रमण की बात कही। उन्होंने कहा कि चीन पर 2014 से अब तक 2,000 किलोमीटर से अधिक भारतीय भूमि पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि शासकों में इस मुद्दे पर चर्चा करने और तथ्यों को उजागर करने का साहस नहीं है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को चीन द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण करने की बात पर जोर दिया। उन्होंने चीन पर 2014 से अब तक 2,000 किलोमीटर से अधिक भारतीय भूमि पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि शासकों में इस मुद्दे पर चर्चा करने और तथ्यों को उजागर करने का साहस नहीं है। बता दें कि एक पुस्तक विमोचन समारोह में रेड्डी ने मणिपुर में दो समूहों के बीच जारी संघर्ष पर भी चिंता व्यक्त की।तेलंगाना के सीएम ने आरोप लगाते हुए कहा कि हम सभी अपने दैनिक जीवन में व्यस्त हैं, इसलिए हम यह देखने में विफल रहते हैं कि हमारे आसपास क्या हो रहा है।

महाराष्ट्र में मतदाता सूची में मनमाने ढंग से नाम नहीं जोड़े गए, न हटाए गए; चुनाव आयोग का कांग्रेस को जवाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी के तमाम आरोपों का जवाब दिया है। इस कड़ी में चुनाव आयोग ने साफ किया है कि महाराष्ट्र में मतदाता

सूची में मनमाने ढंग से नाम नहीं जोड़े गए, न हटाए गए।महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव खत्म हुए एक महीने से ज्यादा वक्त हो चुका है। इसके बावजूद भी राज्य में चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों के दौरे अभी भी जारी है। वहीं राज्य में हुए चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी की तरफ से लगाए गए तमाम आरोपों का जवाब चुनाव आयोग की तरफ से दिया गया है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से जताई गई चिंताओं के बीच चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम नहीं जोड़े गए और न ही हटाए गए।कांग्रेस को दिए गए अपने जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि शाम 5 बजे के मतदान के आंकड़ों की तुलना अंतिम मतदान के आंकड़ों से करना सही नहीं होगा। इसमें यह भी बताया गया कि शाम 5 बजे से रात 11:45 बजे तक मतदान में बढ़ोतरी सामान्य है, जो मतदाता मतदान के एकत्रीकरण की प्रक्रिया का हिस्सा है और कैसे डाले गए वोटों और गिने गए वोटों में वास्तविक लेकिन महत्वहीन अंतर हो सकते हैं।चुनाव आयोग ने जोर देकर कहा कि वास्तविक मतदाता मतदान में बदलाव करना असंभव है, क्योंकि मतदान का विवरण देने वाला वैधानिक फॉर्म 17सी मतदान केंद्र पर मतदान बंद होने के समय उम्मीदवारों के अधिकृत एजेंटों के पास उपलब्ध होता है।

परमाणु ऊर्जा संयंत्र मामले में हसीना के विरुद्ध जांच शुरू, पांच अरब डॉलर का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक भ्रष्टाचार रोधी समिति ने रूपपुर एटमी ऊर्जा संयंत्र में पांच अरब डॉलर के गबन के आरोपों को लेकर पूर्व पीएम शेख हसीना और उनके परिवार के खिलाफ जांच शुरू कर

दी है। रूस द्वारा डिजाइन किया गया पहला बांग्लादेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र, रूपपुर बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 160 किलोमीटर पश्चिम में बनाया जा रहा है। बांग्लादेश में एक भ्रष्टाचार रोधी समिति ने रूपपुर एटमी ऊर्जा संयंत्र में पांच अरब डॉलर के गबन के आरोपों को लेकर पूर्व पीएम शेख हसीना और उनके परिवार के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। इसका निर्माण रूस की सरकारी कंपनी रोसातम कर रही है। रूस द्वारा डिजाइन किया गया पहला बांग्लादेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र, रूपपुर बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 160 किलोमीटर पश्चिम में बनाया जा रहा है। 'बीडीन्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बारे में हसीना के साथ उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय और उनकी भांजी एवं ब्रिटेन की वित्त मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक से भी पूछताछ की गई। रिपोर्ट में कहा गया कि ऊर्जा संयंत्र परियोजना में पांच अरब डॉलर के गबन का आरोप है।रूसी निकाय ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि वह अपनी सभी परियोजनाओं में खुलेपन की नीति पर प्रतिबद्ध है। उसने कहा, रोसाटॉम स्टेट कॉर्पोरेशन रूपपुर एनपीपी परियोजना के कार्यान्वयन में एक पारदर्शी खरीद प्रणाली बनाए रखा है। कॉर्पोरेशन अदालत में अपने हितों और प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तैयार है।

इसरो का 2024 का आखिरी मिशन क्या और कितना अहम, चुनिंदा देशों के पास ही यह उपलब्धि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी60 के जरिये इसे प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो के मुताबिक स्पैडेक्स

मिशन, पीएसएलवी से प्रक्षेपित दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के प्रदर्शन के लिए लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन है। दुनिया में सिर्फ तीन देश- अमेरिका, रूस और चीन के पास ही अपने दो स्पेसक्राफ्ट या सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में डॉक करने की क्षमता है। अब 2024 के आखिरी मिशन के जरिए भारत जल्द ही इस क्षमता को हासिल करने वालों में चौथा देश बनने वाला है। इसरो के स्पेडेक्स (एंईंअे) नाम के इस मिशन की लॉन्चिंग 30 दिसंबर को होनी है। स्पेडेक्स का पूरा अर्थ है- स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी60 के जरिये इसे प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो के मुताबिक स्पैडेक्स मिशन, पीएसएलवी से प्रक्षेपित दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के प्रदर्शन के लिए लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन है। यह भारतीय को चांद पर उतारने, चांद से सैंपल भारत लाने, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण व संचालन जैसे महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी है। अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक तब बहुत जरूरी होती है जब साझा मिशन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कई रॉकेट लॉन्च करने की जरूरत होती है। इसरो के अनुसार, स्पेडेक्स मिशन में दो छोटे अंतरिक्ष यान (प्रत्येक लगभग 220 किग्रा) शामिल हैं, जिन्हें पीएसएलवी-सी60 के जरिये स्वतंत्र रूप से और एक साथ, 55 डिग्री झुकाव पर 470 किमी वृत्ताकार कक्षा में प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसका स्थानीय समय चक्र लगभग 66 दिन का होगा।इस मिशन के माध्यम से, भारत अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक रखने वाला दुनिया का चौथा देश बनने की ओर अग्रसर है। 9 दिसंबर को पीएसएलवी-सी59/प्रोबास-3 मिशन के सफल प्रक्षेपण के बाद, इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव, एस सोमनाथ ने कहा कि दिसंबर में ही पीएसएलवी-सी60 के प्रक्षेपण के साथ एक समान मिशन आने वाला है। सोमनाथ ने कहा, 'यह (पीएसएलवी-सी60 मिशन) स्पैडेक्स नामक अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का प्रदर्शन करने जा रहा है। रॉकेट अब तैयार है और हम प्रक्षेपण की ओर ले जाने वाली गतिविधियों के अंतिम चरण के लिए तैयार हो रहे हैं, संभवतः दिसंबर में ही।'बताया जाता है कि अंतरिक्ष में डॉकिंग की यह प्रक्रिया सबसे कठिन होती है और इसमें जरा सी चूक बड़ी मुसीबतें पैदा कर सकती है। इसरो के अनुसार, स्पेडेक्स मिशन को दो छोटे अंतरिक्ष यानों (एसडीएक्स01, जो कि चेजर है और एसडीएक्स02, जिसका नाम टारगेट है) के पृथ्वी की निचली वृत्ताकार कक्षा में तेज गति में मिलन, डॉकिंग और अनडॉकिंग को प्रदर्शित किया जाएगा। पीएसएलवी कक्षीय प्रयोग मॉड्यूल (पीओईएम) अंतरिक्ष में विभिन्न प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करने के लिए 24 प्रयोग करेगा।

क्या कनाडाई कॉलेजों से है कनेक्शन जांच एजेंसी बोली- ईडी की रडार पर कई संस्थान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। अमेरिका-कनाडा सीमा पर भारतीयों की तस्करी को लेकर ईडी ने कई संस्थानों पर नजर बनाए रखा है। इसको लेकर ईडी ने कहा कि वह कनाडा की सीमा से भारतीयों की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कुछ कनाडाई कॉलेजों और भारतीय संस्थाओं की संलिप्तता की जांच कर रहा है। अमेरिकी-कनाडा सीमा पर भारतीयों की तस्करी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का बयान सामने आया है। ईडी ने मंगलवार को बताया कि वह कनाडा की सीमा से भारतीयों की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कुछ कनाडाई कॉलेजों और भारतीय संस्थाओं की संलिप्तता की जांच कर रहा है। बता दें कि यह जांच उस भारतीय परिवार की मौत से जुड़ी है जो 19 जनवरी, 2022 को कनाडा-अमेरिका सीमा पार करते वक्त अत्यधिक ठंड के कारण मारे गए थे। ईडी ने मामले में मुख्य आरोपी भावेश अशोकभाई पटेल और अन्य के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस की एफआईआर का संज्ञान लिया और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शिकायत दर्ज की।

मैतेई और कुकी जवानों ने साथ ली ट्रेनिंग, अब बनेंगे मणिपुर के शांतिदूत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। पुलिस अकादमी (एलबीपीए) से उत्तीर्ण मैतेई-कुकी जवानों ने कहा कि वे शांति और प्रेम का संदेश लेकर मणिपुर लौटेंगे और दोनों समुदायों के बीच जारी नफरत खत्म करेंगे। जवानों के इस हौसले ने एक बार फिर मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष को खत्म करने की उम्मीद जगा दी है। असम के लचित बोरफुकन पुलिस अकादमी (एलबीपीए) से उत्तीर्ण मैतेई-कुकी जवानों ने कहा कि वे शांति और प्रेम का संदेश लेकर मणिपुर लौटेंगे और दोनों समुदायों के बीच जारी नफरत खत्म करेंगे। जवानों के इस हौसले ने एक बार फिर मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष को खत्म करने की उम्मीद जगा दी है। पिछले वर्ष मई से इंफाल घाटी स्थित मैतेई और समीपवर्ती पहाड़ियों पर स्थित कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा

में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। एलबीपीए से 44 सप्ताह के कड़े प्रशिक्षण के बाद सोमवार को कुल 1,946 रंगरूट स्नातक हुए थे। इनमें मैतेई, कुकी, नगा, मुस्लिम और अन्य समुदायों के रंगरूट शामिल थे।एजेंसी से बात करते हुए मैतेई समुदाय के एक कैडेट चिरोम शेखरजीत सिंह ने कहा कि सभी सदस्य एक साथ खाते-पीते, सोते और नहाते थे। हमें न तो कुकी रंगरूटों से किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत हुई और ना ही उन्हें मैतेई रंगरूटों से कोई शिकायत रही। प्रशिक्षण के दौरान हमारे घर की समस्याओं का हम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। ब्यूरोइंडिया रिजर्व बटालियन के कुकी कर्मी पी किपगेन ने कहा कि सभी समुदायों के रंगरूटों ने एक साथ प्रशिक्षण लिया है और मणिपुर लौटने पर वे एक साथ मिलकर सेवा करेंगे। किपगेन ने कहा, हमने मैतेई रंगरूटों के साथ प्रशिक्षण लिया। कोई परेशानी नहीं हुई।

एसएससी भर्ती घोटाले में पार्थ चटर्जी को झटका, कलकत्ता हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। पार्थ चटर्जी को पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से प्रायोजित और सहायता प्राप्त

प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। राज्य स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) भर्ती घोटाले मामले में बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और सीबीआई द्वारा आरोपित चार अन्य हाई-प्रोफाइल आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती ने पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के पूर्व अध्यक्ष सुबीर भट्टाचार्य, राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमय गांगुली, एसएससी की सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष एसपी साहा और एसएससी के पूर्व सचिव अशोक साहा की जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पहले जमानत याचिका पर न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रॉय की खंडपीठ ने अलग-अलग फैसले सुनाए थे। इसके बाद मामले को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति चक्रवर्ती की एकल पीठ को सौंप दिया था। याचिका पर सुनवाई के दौरान सीबीआई ने दावा किया था कि स्कूल नौकरी घोटाले में पांचों के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन भर्तियों में अनियमितताओं की जांच अभी जारी है। आरोपी काफी प्रभावशाली हैं। ऐसे में जमानत दिए जाने से जांच प्रभावित हो सकती है। बता दें कि पार्थ चटर्जी ने पहले कई मौकों पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों में जमानत याचिकाएं दायर की हैं। पार्थ चटर्जी को पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से प्रायोजित और सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। उनकी कथित करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को भी ईडी ने कथित अवैध भर्तियों में धन के लेन-देन की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने दावा किया कि उसने अर्पिता के कई फ्लैट से 49.80 करोड़ रुपये नकद, आभूषण, सोने की छड़ें, संयुक्त स्वामित्व वाली संपत्ति और एक कंपनी के दस्तावेज बरामद किए हैं।

मोदी की हैट्रिक, नीतीश की पलटी से केजरीवाल-सोरेन को जेल तक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। राजनीति की दुनिया में साल 2024 काफी अहम रहा। इस साल भारत में लोकसभा के अलावा आठ राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए जिससे काफी समीकरण बदले। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तो झारखंड में हेमंत सोरेन को जेल हुई। आइए जानते हैं 2024 की कुछ बड़ी सियासी घटनाओं के बारे में...साल 2024 भी गुजरने वाला है। इस साल भारत के लोग कई अहम राजनीतिक घटनाओं के गवाह बने। यही वह साल रहा जब लोकसभा चुनाव हुए और 62 साल बाद देश में किसी पार्टी ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई। लोकसभा के अलावा आठ राज्यों के विधानसभा चुनाव भी इसी साल हुए। इसी साल देश की राजधानी में राजनीतिक संकट खड़ा हुआ जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल चले गए। ऐसा ही कुछ घटनाक्रम झारखंड में

भी हुआ। हिमाचल में भी सरकार के सामने संकट आया।साल की शुरुआत से ही लोकसभा चुनाव की हलचल तेज हो गई। प्रधानमंत्री मोदी साल की शुरुआत होते ही दक्षिण के राज्यों में पहुंचे। उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले कई मंदिरों में दर्शन किया। इसके साथ ही दक्षिणी राज्यों में रोड शो भी किया। कई राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे भाजपा का मिशन दक्षिण बताया। जनवरी के मध्य में महाराष्ट्र की राजनीति को प्रभावित करने वाला एक बड़ा घटनाक्रम हुआ। शिवसेना के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुट के विधायकों की अयोग्यता पर फैसला हुआ। अयोग्यता का फैसला महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सुनाया, जिसका आदेश उच्चतम न्यायालय ने दिया था। स्पीकर ने उद्धव गुट की दलीलें खारिज कर दीं और शिंदे गुट को असली शिवसेना माना। महीने के अंत में बिहार ने एक बार फिर नीतीश कुमार को गठबंधन बदलते देखा गया। नीतीश कुमार ने बिहार सीएम के पद से इस्तीफा देकर भाजपा के साथ नई सरकार बना ली। यह पहली बार नहीं था जब नीतीश कुमार महागठबंधन को छोड़कर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के साथ आए।महीने के अंत में बिहार ने एक बार फिर नीतीश कुमार को गठबंधन बदलते देखा गया। नीतीश कुमार ने बिहार सीएम के पद से इस्तीफा देकर भाजपा के साथ नई सरकार बना ली। यह पहली बार नहीं था जब नीतीश कुमार महागठबंधन को छोड़कर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के साथ आए। इससे पहले तीन बार जदयू ने साथी बदले थे लेकिन दिलचस्प है कि नीतीश कुमार हर बार मुख्यमंत्री रहे। भले उनकी पार्टी के विधायकों की संख्या उनके सहयोगी से कम रही हो।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

प्रयागराज में छिनैती की घटना कम होने का नाम नही ले रही है प्रशासन भी रोक लगाने मे असमर्थ हो रही है

छिनैती की घटना को लूट मे बदलने का प्रयास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी/प्रयागराज। प्रयागराज जहा कुम्भ मेले की तैयारी हो रही है वही पर प्रशासन के नाक के नीचे से बदमाशो का मनो बल बढता जा रहा है और महिलाओं के साथ छिनैती और बदमाशी कम होने का नाम नही ले रही जहा पर पुलिस भी कुछ करने मे असमर्थ दिख रही है उर्मिला सिंह पत्नी अवधराज सिंह निवासी लोहरा, पोस्ट भरत नगर चौकठा, प्रयागराज की रहने वाली है उर्मिला सिंह आधुनिक समाचार के कार्यालय मे रिसेप्शनिस्ट के पद पर कार्यतर है हर रोज की तरह वह 21.12.2024 की शाम को अपने कार्यालय से सायं 7:30 पर निकल कर ई' रिक्सा से घर जा रही थी ई-रिक्सा मे अकेली थी जब वह नये पुल टोल- टैक्स से कुछ दूर पहले पहुची ही थी तभी एक बाइक पर दो लडके ई-रिक्सा से सटा कर मेरे साथ छिनैती करने लगे और गालीगलौज के साथ जान से माने की धमकी भी देने लगे बुरी तरह से भयभीत हो गयी बदमाशो ने गले का मंगलसूत्र खीच लिया और एक बैग छीन लिया छिना झपटी के दौरान नाक की नथ्यिा छिनने के प्रयास के कारण उर्मिला को नाक, मुह मे चोट आई छिने हुऐ बैग में बेटे के स्कूल की फीस 20090/-रु0 था और आधार कार्ड ,पैन,वोटरआडी, पति का एटीम, बेटे का आधार कार्ड भी था जो बदमाशो ने छिन लिया और वहा से भाग गये यह घटना शनिवार कि रात 21.12.2024 को लगभग 08:27 मिनट पर घटना को अंजाम दिया बदमाशों ने जिस रिक्सा मे उर्मिला बैठी थी उस रिक्सा के चालक का नाम महेन्द्र प्रताप सिंह बताया जा रहा है यह घटना के तुरन्त बाद उर्मिला ने बेथनी कानवेंन्ट स्कूल के बगल वाली पुलिस अरैल चौकी थाना नैनी कोतवाली नैनी प्रयागराज पर जा कर घटना की जानकारी दी तो वहा तैनात पुलिस कमी ने बताया की नये पुल पर काम चल रहा जिसकी वजह से कैमरा काम नही कर रहा है और आप के पास बाईक का न0 भी नही पता है जिसके कारण हम अब कुछ नही कर सकते है और पुलिस ने बताया की तुम्हारा समान मिल पाना अब मुशकिल है तैनान पुलिस कर्मी ने कहा की ऑन लाईन एफआईआर दर्ज कर दो जबकी उर्मीला का आरोप है कि पुलिस ने छिनैती को लूट की घटना मे बदलने का प्रयास कर रही है अभी तक कोई भी कार्यवाही पुलिस की तरफ उर्मीला के लिए निही किया गया।जिससे स्थानीय जनप्रतिनिधयों, नागरिको एवं मीडियाकमीयों के रोष व्यग है जिसकी शिकायत मुख्यमन्त्री से की जा सकती है।

पीडिता- उर्मीला सिंह

संगम के अरैल तट पर आईआरसीटीसी की लग्जरी टेंट सिटी 'महाकुम्भ ग्राम' बनकर तैयार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजन महाकुम्भ 2025 की शुरूआत 13 जनवरी से प्रयागराज में होने जा रही है। महाकुम्भ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे भी महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को विश्व स्तरीय सुविधा देने का प्रबंध कर रहा है। भारतीय रेलवे महाकुम्भ में लगभग 3000 मेला स्पेशल ट्रेनों के साथ 1 लाख से अधिक यात्रियों के ठहरने के लिए आश्रय स्थल की व्यवस्था कर रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रेलवे की पर्यटन और आतिथ्य शाखा आईआरसीटीसी की ओर से महाकुम्भ में त्रिवेणी संगम के पास टेंट सिटी, महाकुम्भ ग्राम बनकर तैयार है। आईआरसीटीसी के महाकुम्भ ग्राम में पर्यटकों को रहने, खान-पान की विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ चिकित्सा और सुरक्षा सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। महाकुम्भ ग्राम में बन कर तैयार हैं सुपर डीलक्स और विला टेंट हाउस महाकुम्भ 2025 में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रिओं और पर्यटकों के लिए मेला प्राधिकरण, पर्यटन विभाग और भारतीय रेलवे सभी तरह की जरूरी सुविधाओं और व्यवस्थाओं का प्रबंध कर रहा है। इसी क्रम में भारतीय रेलवे की पर्यटन और आतिथ्य शाखा आईआरसीटीसी ने प्रयागराज में नैनी, अरैल क्षेत्र के सेक्टर नंबर 25 में लग्जरी टेंट सिटी महाकुम्भ ग्राम का निर्माण किया है। आईआरसीटीसी की टेंट सिटी, महाकुम्भ ग्राम गंगा तट पर त्रिवेणी संगम से लगभग 3.5 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है। महाकुम्भ ग्राम में विश्व स्तरीय लग्जरी टेंट सुपर डीलक्स और विला उपल्ब्ध होंगे, जिनका किराया 18,000 से 20,000 रुपए प्रतिदिन होगा। सुपर डीलक्स और विला टेंट में पर्सनल बाथरूम, गर्म और ठंडे पानी की सुविधा, ब्लोअर, बेड लिनन, तौलिए से साथ खाने की सुविधा भी शामिल हैं। विला टेंट के मेहमान अतिरिक्त रूप से एक अलग आरामदायक बैठने की जगह और टेलीविजन का आनंद भी ले सकेंगे ऑनलाइन बुकिंग सुविधा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध टेंट सिटी,महाकुम्भ ग्राम में 10 जनवरी से 28 फरवरी तक ठहरने के लिए आनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। टेंट सिटी के लिए बुकिंग आईआरसीटीसी की वेब साईट www.irctctourismed.com/ mahakumbhgramed पर आसानी से की जा सकती है। महाकुम्भ ग्राम, के बारे में आईआरसीटीसी की वेबसाइट ‘.गेम्म्.म्द.ग्ह या फिर पर्यटन विभाग की वेबसाइट और महाकुम्भ ऐप पर भी उपलब्ध है। इसके आलावा आईआरसीटीसी के व्यावसायिक पार्टनर ईैव श्ब् ऊग्ज् और उद घ्घ्ंध् की वेबसाइट से भी बुकिंग की जा सकेगी। महाकुम्भ ग्राम में रहने वालों के लिए प्राथमिक चिकित्सा सुविधा के साथ सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों से निगरनी की व्यवस्था भी की गई है।

थाना एयरपोर्ट पुलिस द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार व 01 बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया, कब्जे से 04 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 02 मोटरसाइकिल बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। थाना एयरपोर्ट पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0 227/2024 धारा 304 बी0एन0एस0 से सम्बन्धित प्रकाश में आये 01 बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया तथा 02 अभियुक्तों 1. जतन पासी पुत्र स्व0 प्रेमचन्द्र निवासी भगवतपुर थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज, 2. अंशु उर्फ अनुज पासी पुत्र सुभाष पासी निवासी भगवतपुर थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज को दिनांक- 23.12.2024 को बहद ग्राम भगवतपुर में नव नर्मित बंद बस स्टैण्ड तालाब के किनारे बगीचे के पास थाना क्षेत्र एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 04 मोबाइल फोन 1.860373063049175, व 860373063049167, 2. 866083068925741, 3.

इनफिनिक्स, IMEI No- 354602984106000 व 354602984106018, 4. OPPO-IMEI No 356823062166736 तथा घटना में प्रयुक्त 02 मोटर साइकिल (हीरो हॉन्डा स्प्लेण्डर प्लस) बिना नम्बर प्लेट, 1. चेसिस नं0- MBL 52964 व 2.चेसिस नं0- MBLAW229hh52964 बरामद किये गये। गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 317(2) बी0एन0एस0 की बढ़ोत्तरी की गयी। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। **गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-** 1. जतन पासी पुत्र स्व0 प्रेमचन्द्र निवासी भगवतपुर थाना एयरपोर्ट कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र 20 वर्ष। 2. अंशु उर्फ अनुज पासी पुत्र सुभाष पासी निवासी भगवतपुर थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज, उम्र 20 वर्ष। **सम्बन्धित अभियोग का विवरण-** मु0अ0सं0- 227/2024 धारा 304/317(2) बी0एन0एस0 थाना एयरपोर्ट कमिश्नरेट प्रयागराज। **आपराधिक इतिहास-** अभियुक्त अंशु उर्फ अनुज पासी उपरोक्त 1. मु0अ0सं0 49/2023 धारा 120बी/302/34 भा0द0वि0 थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज। 2. मु0अ0सं0 115/2023 147/323/504/506 भा0द0वि0 थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी। .बाल अपचारी उपरोक्त- 1.मु0अ0सं0 59/2024 धारा 380/457 भादवि थाना एयरपोर्ट कमि0 प्रयागराज **बरामदगी का विवरण-** ‘.अभियुक्त जतन पासी उपरोक्त के कब्जे से - 1. 02 मोबाइल (860373063049175, व 860373063049167, तथा 2. 866083068925741 2. 01 मोटर साइकिल हीरो होण्डा स्पेलेन्डर प्लस (बिना नम्बर प्लेट), अभियुक्त अंशु उर्फ अनुज पासी उपरोक्त के कब्जे से - 1. 01 मोबाइल फोन इनफिनिक्स, 354602984106000 व 354602984106018 2. 01 हीरो होण्डा मोटरसाइकिल स्पेलेण्डर प्लस (बिना नम्बर प्लेट), .बाल अपचारी उपरोक्त के कब्जे से- 01 मोबाइल फोन

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।
रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

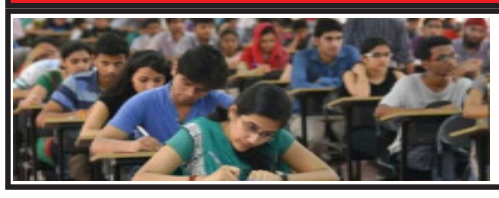

प्रदेश आस/पास

भारत

प्रवर्तन कार्य के दौरान लगभग 150 लीटर अवैध कच्ची शराब हुई बरामद व लगभग 750 किग्रा लहन कराया गया नष्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। क्रिसमस एवं नववर्ष को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी रायबरेली हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक रायबरेली डा0 यशवीर सिंह के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण , बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी रवीन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक सदर अखिलेश कुमार , आबकारी निरीक्षक महराजगंज आनंद कुमार पाठक एवं आबकारी निरीक्षक लालगंज संजीव सिंह द्वारा थाना गुरुबक्शगंज के अन्तर्गत ग्राम शिवलहा, पूरे मोती बाजार, बर?उवा, कंदूरी, भीतरगांव एवं थाना खीरों के अंतर्गत ग्राम मोहनपुरा थाना बछरावां के अंतर्गत ग्राम ठकुराइन खेड़ा में अवैध कच्ची शराब बनाने/बेचने के अड्डों पर दबिश की कार्यवाही की गई। प्रवर्तन कार्य के दौरान लगभग 150 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा मौके पर लगभग 750 किग्रा लहन नष्ट किया गया। 10 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। सुशासन सप्ताह के अवसर पर विकास खण्ड अमावां में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत 17 आवास लाभार्थियों का मा0 विधायक सदर अदिति सिंह द्वारा स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। इन सभी लाभार्थियों को योजनान्तर्गत 03 किश्तों में मिलने वाली 120000.00 रू0 की धनराशि के सापेक्ष 40000 हजार रू0 की प्रथम किश्त उनके खातों में प्रेषित कर दी गयी है। इसके अतिरिक्त सभी लाभार्थियों को मनरेगा योजना से 90 दिन की मजदूरी भी प्रदान की जायेगी। मा0 विधायक अदिति सिंह ने सभी आवास लाभार्थियों को घर मिलने पर शुभकामनाए दी और अपने उदबोधन में मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त किया कि, समाज के सबसे कमजोर तबको, दिव्यांग, मुसहर, निराश्रित महिला एवं आपदा प्रभावित परिवारों को इतनी बड़ी संख्या में आवास प्रदान किये जा रहें है। खण्ड विकास अधिकारी सन्दीप सिंह द्वारा बताया गया कि, इन 17 के अतिरिक्त 19 और लाभार्थियों का आवास स्वीकृत किया गया है। जिन्हें शासन से धनराशि प्राप्त होने पर धनराशि प्रेषित की जायेगी। इस दौरान समस्त ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, राजन सिंह सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता), कमलेश कुमार सहायक विकास अधिकारी (पं0), प्रदीप कुमार सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रचार-प्रसार एवं लाभार्थियों को आवास निर्माण के विषय में जानकारी के उद्देश्य से विकास खण्ड परिसर में मा0 विधायक सदर अदिति सिंह द्वारा उद्घाटन किया गया मौके पर खण्ड विकास अधिकारी सन्दीप सिंह समेत समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसमें आवास विहीन व कच्चे घर में रहने वाले लाभार्थियों को स्वयं का घर बनाने के लिए डी0बी0टी0 के माध्यम से उनके खाते में 120000. 00 रू0 सरकार द्वारा दिये जाते है। इसके अलावा मनरेगा योजनान्तर्गत 90 दिन की मजदूरी के रूप में 21330.00 रू0 दिये जाते है। विकास खण्ड अमावां में योजना आरम्भ से अब तक कुल 3671 परिवारों का घर बनवाया जा चुका है। इस मौके पर सभी उपस्थित जनो को शीघ्र प्रारम्भ होने वाले आवास सर्वे के बारे में भी जानकारी दी गयी विकास खण्ड की ए0एन0एम0 व आंगनबाड़ी कार्यकत्री को ग्राम पंचायतों में ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस को सकुशल आयोजन के लिए मा0 विधायक सदर अदिति सिंह द्वारा किट प्रदान की गयी। विकास खण्ड की 19 ए0एन0एम0 को जन आरोग्य समिति के खातों के माध्यम से यह किट उपलब्ध करायी गयी है। इसमें सभी 19 केन्द्रों के लिए कुर्सी, पर्दा, दरी, थर्मामीटर, बच्चों के वजन तौलने की मशीन, महिलाओं के वजन तौलने की मशीन एवं बी0ओ0 मशीन प्राप्त करायी गयी है। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र समरहदा की आंगनबाड़ी कार्यकत्री को अच्छा काम करने के लिए मा0 विधायक सदर अदिति सिंह द्वारा बच्चे के बैठने के लिए व्यायम पहेली व फोम फ्लोर टाइल्स प्रदान की गयी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अधिक से अधिक लाभार्थी जोड़ों का कराये पंजीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने समस्त खण्ड विकास अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत को निर्देश दिये है कि अपने अधीनस्थों के माध्यम से विकास खण्डों/ग्राम पंचायतों/नगर निकायों/वार्डों में आहूत बैठकों में व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत माह जनवरी 2025 में शुभ लग्न की तिथि 16, 20 एवं 23 के पूर्व विभागीय वेबसाइट पर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी जोड़ो का ऑनलाइन पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें, जिससे निर्धारित तिथियों में लक्ष्य के सापेक्ष मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत विवाह सम्पन्न कराया जा सके।

स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार -ए डी आईओएस लालबाबू मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वा धान में जिला विज्ञान क्लब प्रयागराज द्वारा स्वच्छ पर्यावरण तथा स्वस्थ जीवन के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन द्वारका प्रसाद गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह जिला विद्यालय निरीक्षक श्री लाल बाबू मौर्य जी रहे। अपने संबोधन में सह जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि वास्तव में स्वस्थ जीवन का आधार स्वच्छ पर्यावरण ही है उन्होंने कहा कि जिला विज्ञान क्लब जन जागरूकता के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करता है जो बच्चों में स्वच्छ पर्यावरण की समझ विकसित करने में बहुत ही सहायक है कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत के पूर्व अधिशासी सचिव नीरज कुमार द्वारा की गई। कार्यक्रम में इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड साइंस के डॉ मोहम्मद मसूद द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट का परीक्षण का प्रयोग प्रदर्शित किया गया इस कार्यक्रम में विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के मध्य पोस्टर तथा स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री नारायणी आश्रम बालिका इंटर कॉलेज प्रयागराज की श्रेयांशी को द्वितीय स्थान आरपी रस्तोगी इंटरमीडिएट कॉलेज प्रयागराज की राखी सोनी को तथा तृतीय स्थान डीपी गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रयागराज की निधि कुमारी को प्राप्त हुआ स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज की यशवी सिंह को द्वितीय स्थान क्रासथवेट गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रयागराज की अंशिका को तथा तृतीय स्थान डीपी गर्ल्स इंटर कॉलेज की सपना कुमारी पटेल को प्राप्त हुआ पुरस्कार वितरण सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय केप्रोफेसर डॉदिनेश यादव मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ रंजना पांडे द्वारा किया गया जिला विज्ञान क्लब प्रयागराज के कोऑर्डिनेटर डॉलालजी यादव द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद व्यापित किया गया।

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में लगवाई गई 5 बेंचो का लोकार्पण कराया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। अग्रवाल सुहृद्ध समाज रायबरेली की महिला प्रकोष्ठ द्वारा पं. मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में लगवाई गई 5 बेंचो का लोकार्पण कराया गया जिसका उद्देश्य आम-जन मानस एवं खिलाड़ियों को बैठने को सुविधा देना है। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरुषोतम जी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्षा महिला प्रकोष्ठ अर्चना सिकरिया द्वारा मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अग्रवालों का स्वागत कर किया । गया समाज की प्रथम महिला दीपाली जैन के द्वारा मुख्य अतिथि को एक पुष्प गुच्छ भेंट किया । समाज के अध्यक्ष गौरख जैन ने समाज में किये जा रहे विभिन्न क्षेत्रो में सामाजिक कार्यो के बारे में बताया । मुख्य अतिथि द्वारा चेयर का उद्दघाटन किया गया एवं अग्रवाल समाज द्वारा किये जा रहे पुनीत कार्यों की सराहना की गई । सचिव राघव मुरारका ने सभी आगन्तुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया । अंत में अर्चना सिकरिया द्वारा मुख्य अतिथि को एक स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम संचालन ऋषि अग्रवाल द्वारा किया गया कार्यक्रम में वाई. के. गुप्ता, उमेश सिकरिया, महेंद्र अग्रवाल, अभिषेक गोयल, ऋषि अग्रवाल एवं महिला सचिव कल्पना अग्रवाल, दीपाली जैन, शिखा मुरारका प्रियंका अग्रवाल एवं दीप्ती सिकरिया उपस्थित रही ।

आधुनिक गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

जिले में सक्रिय हैं गरीब लड़कियों की शादी कराने और बेचने वाले गैंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनांचल में इस समय लड़कियों की शादी कराने के नाम पर उन्हें बेचने वाले गैंग सक्रिय हैं। पन्नूगंज क्षेत्र में एक गांव की 16 वर्षीय लड़की को बेचे जाने का मामला इसका ताजा उदाहरण है। दुद्धी, राबर्ट्सगंज, कोन, रायपुर,मांची, पन्नुगंज, म्योरपुर, चोपन समेत अन्य इलाकों में इस तरह के मामले पहले आ चुके हैं। कई मामलों में गैंग के सदस्य पकड़े जा चुके हैं, बावजूद गिरोह को जड़ से खत्म करना पुलिस के लिए चुनौती पूर्ण बना हुआ है।अगस्त 2023 में राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की आदिवासी किशोरी को अगवा कर राजस्थान में बेचने और जबरन शादी कराने का मामला सामने आया था। पीड़िता के पिता ने बताया था कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री शाम को खाना बनाते समय लापता हो गयी थी। दो माह बाद राजस्थान के व्यक्ति ने फोन कर बताया था कि उसकी बेटी को 2.70 लाख में एक महिला से खरीदा है। अपहरण करने वाले आरोपी ने उसे एक सप्ताह अपने घर पर ही रखा। इसके बाद सौदा तय होने पर शादी के लिए राजस्थान ले गए। वहां एक मंदिर में उसकी शादी रचा दी गई। 13 मार्च 2023 राबर्ट्सगंज कोतवाली अन्तर्गत शादी कराने के बहाने युवती को बेचने का मामला आया था। राबर्ट्सगंज नगर स्थित दंडईत बाबा मंदिर परिसर में रविवार को युवती की शादी कराने की तैयारी चल रही थी।

नव गठित समितियों का निबंधन प्रमाण पत्र हुआ वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बुधवार को रॉबर्ट्सगंज विकास खण्ड के सभागार में भारत सरकार सरकार द्वारा संचालित सहकार से समृद्धि योजना अन्तर्गत मेगा इमेन्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसको सहकारिता, मत्स्य, एवं दुग्ध विभाग में नव गठित समितियों का निबंधन प्रमाण पत्र का वितरण किया गया, साथ ही साहकारिता मंत्री भारत सरकार अमित शाह द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया इस मौके पर सहकारिता, दुग्ध एवं मत्स्य के समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी मनरेगा द्वारा द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में डीसीडीसी एवं जे डब्लू सी के सदस्य भी उपस्थित रहे।डीसी मनरेगा, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, जिला मत्स्य निदेशक, डी डी एम नाबार्ड, उप दुग्ध निर्देशक, तहसील प्रभारी/ अपर जिला सरकारी अधिकारी, समिति सचिव एवं अध्यक्ष बलदेव सिंह, अलोपी अग्रवाल, अवधेश सिंह, डायरेक्टर जिला सहकारी बैंक मिर्जापुर, शंभू नारायण सिंह अध्यक्ष क्रय विक्रय रॉबर्ट्सगंज, खंड विकास अधिकारी रॉबर्ट्सगंज, किसान /साहकारिता मत्स्य दुग्ध अधिकतर अधिकारी कर्मचारी।

पुलिस लाइन सोनभद्र में मा0 पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की मनाई गयी जयंती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र स्थित क्वार्टर गार्ड में उनकी तस्वीरों पर माल्यार्पण करते हुए सलामी दी गयी। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण को देश की एकता की रक्षा करने और देश को मजबूत बनाने के कार्य में तन, मन से योगदान करने व सदैव अहिंसा का पालन करते हुए समस्त विवादों को शांतिपूर्वक और संवैधानिक उपायों द्वारा हल करने की शपथ दिलायी गयी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मा0 पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व0 श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी हम सभी के लिये प्रेरणाश्रोत हैं जिनके बताये गये विचारों का अनुसरण कर हम सभी सही एवं कर्तव्य पथ पर चलकर अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी सदर संजीव कटिहार, क्षेत्राधिकारी रणधीर मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक मो0 नदीम सहित पुलिस कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके अलावा जनपद के समस्त थाना/चौकी तथा पुलिस कार्यालयों में भी मा0 पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की तस्वीरों पर माल्यार्पण करते हुए उनकी जयंती मनाई गयी।

दबंगों का दुस्साहसः हुड़दंगई का विरोध करने पर खौला खून, पांच लोगों पर चाकू और लाठी- डंडे से हमला कर किया घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र में दबंगों का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि हुड़दंगई का विरोध करने पर लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम दबंगों के गुट ने सेक्टर दस निवासी कई लोगों पर चाकू और लाठी-डंडे से हमला बोल दिया। जिसमें अलग-अलग घरों से कुल पांच लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने युवकों के गुट का विरोध किया था। जिससे वह नाराज बताए जा रहे हैं।ओबरा थाना क्षेत्र के सेक्टर दस सहित अन्य कॉलोनी में 20 से 25 की संख्या में दबंग युवकों का एक गुट सक्रिय है। जो अक्सर रात के समय इलाके के विभिन्न कालोनियों में पहुंचता है। आएं दिन घरों पे पथराव के साथ ही स्थानीय लोगों के साथ अभद्रता भी करता है। पूर्व में शिकायतों के बावजूद इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। इनकी हरकतों का अगर कोई विरोध करता है, तो उसे धमकी दी जाती है। इस बीच अरविंद उर्फ अर्जुन (35) ने कुछ दिन पहले बस्ती और नई कालोनी के रहने वाले इन युवाओं की हरकतों का विरोध किया था। वहीं उन्हें डांट लगाते हुए कालोनी में हुड़दंग मचाने से मना किया था। जिससे आरोपी नाराज बताए जा रहे हैं। उनकी ओर से अरविंद को अंजाम भुगतने और परिजनों को काटने की धमकी दी गई थी। सोमवार की शाम उक्त युवकों का झुंड एक बार फिर से कालोनी में पहुंचा। कुछ युवकों ने नकाब पहन रखा था। जिसपर लोगों ने उन्हें टोका। इसके बाद चाकू और डंडे से लैस आरोपियों ने अरविंद के साथ ही पड़ोस के चार अन्य लोगों पर हमला बोल दिया। चाकू से वार कर सभी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। मौके पर जुटी लोगों की भीड़ की मदद से घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शाम के वक्त चाकूबाजी की घटना से हड़कंप की स्थिति रही। हालांकि यहां चाकूबाजी की बड़ी घटना को पुलिस मामूली विवाद बता रही है। पीड़ित की तहरीर पर तीन लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। हालांकि मामले से जुड़ा वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें आरोपियों की तादाद अधिक है। कुछ ने चेहरे बांध रखे थे। इनकी संख्या 15 से 20 के बीच थी।

50 लाख का आभूषण लेकर सफर कर रही थी महिला यात्री, हैंड पर्स छीनकर भागा बदमाश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले के फुलवरिया के पास चलती ट्रेन में चढ़कर बदमाश महिला यात्री का हैंड पर्स छीनकर भाग निकला। बैग में 40 हजार रुपये के साथ 50 लाख के आभूषण भी थे। जम्मूतवी एक्सप्रेस में सफर के दौरान महिला यात्री से सोमवार की भोर में फुलवरिया के पास चलती ट्रेन में हैंड पर्स की छिनैती हो गई। महिला यात्री के अनुसार, पर्स में हीरे, सोने-चांदी के लगभग 50 लाख के आभूषण थे। 40 हजार रुपये नकद रखे थे।कैंट जीआरपी और कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच की टीम ने लोहता से फुलवरिया तक सीसीटीवी कैमरे की मदद से जांच की है। आसपास के लोगों से पूछताछ भी की गई, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग सका। महिला की तहरीर पर कैंट जीआरपी ने छिनैती की धारा में केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।महमूरगंज के रानीपुर स्थित तक्षशीला अपार्टमेंट में रहने वाली सुषमा शुक्ला ने जीआरपी को बताया कि वह बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग वाराणसी में सुपरवाइजर है। जवाहर नवोदय विद्यालय की सिल्वर जुबली कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या गई थी। अयोध्या से लौटते समय 13152 जम्मूतवी सियालदह एक्सप्रेस के बी-2 कोच में 35 नंबर बर्थ पर सफर रही थी।

खेती में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 32 किसान सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व.चौधरी चरण सिंह का जन्मदिवस सोमवार को किसान दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। खेती में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 32 किसान सम्मानित किए गए। मंगुराही स्थित कृषि उप निदेशक कार्यालय परिसर में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कृषि विभाग, भूमि संरक्षण विभाग, जनपदीय भूमि परीक्षण प्रयोगशाला, रेशम विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यान एवं प्रसंस्करण विभाग, महामना फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड समेत अन्य विभागों की तरफ से प्रदर्शनी लगाई गई।प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि ने अवलोकन किया। इसके बाद सीडीओ जागृति अवस्थी के साथ किसानों को पुरस्कृत किया। सुआट्स नैनी प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. टीडी मिश्रा ने रबी में बोई जाने वाली फसलों गेहूं, चना, मटर, मसूर, जौ, सरसों आदि पर वैज्ञानिक विधियों को उत्पादन को बढ़ाने के बारें में विस्तृत जानकारी दी इस मौके पर कृषि उप निदेशक जयप्रकाश, डॉ. सुधीर कुमार वरिष्ठ प्राविधिक ग्रुप-ए, सीवीओ डा. अजय कुमार मिश्रा, डीडीएम नाबार्ड आनन्द कुमार पांडेय, सहायक निदेशक मत्स्य, अमित कुमार चौबे आदि रहे। गेहूं उत्पादन के लिए विजय सिंह, चना के लिए संतोष कुमार, मालती देवी को धान, राजनाथ भगौती करमा को मक्का, श्रीरामबहाल सिंह को रागी, प्रतिमा देवी को सांवा, श्रीरामनाथ को कोदो, शान्ति देवी को पंगेसियश की मत्स्य, नन्दलाल देवरी को कोया, बैजनाथ कोन को कोया, रविन्द्र बहादुर को टमाटर, दिलीप कुमार को पपीता और नन्दलाल को मिर्च की खेती के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जनपद न्यायाधीश, डीएम, एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। जनपद न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा द्वितीय, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने मंगलवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बंदियों से बात कर जेल में मिल रहे भोजन, नाश्ता, इलाज आदि के बारे में जानकारी ली।इस दौरान जनपद न्यायाधीश ने बदियों को बताया कि जिनको मुकदमों की पैरवी के लिए अधिवक्ता नहीं मिल रहे हैं, वे जेल अधीक्षक के माध्यम से शासकीय अधिवक्ता के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्हें पैरवी के लिए शासकीय अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाएंगे। अधिकारियों ने जेल में पुरुष और महिला बैरक का निरीक्षण किया। साथ ही बंदियों द्वारा बनाए जा रहे कालीन व पुस्तकालय को भी देखा। चिकित्सालय में भर्ती बंदियों से उनके इलाज के बारे में जानकारी ली। जेल अधीक्षक ने अधिकारियों को बताया कि वर्तमान में 627 बंदी कारागार में बंद हैं।

बीच सड़क खराब हुआ ट्रेलर, पांच घंटे जाम से जूझे लोग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र के मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर सोमवार की भोर से लगे जाम के कारण लोगों को काफी परेशानी हुई। भोर में मुर्धवा मोड़ से तीन किलोमीटर आगे बीजपुर की ओर जा रहा एक वाहन (ट्रेलर) खराब होकर आड़े-तिरछे खड़ा हो गया।जिसकी वजह से जाम लगना शुरू हो गया। सुबह तक तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। धीरे-धीरे यह जाम मुर्धवा मोड़ तक पहुंच गया। जिसकी वजह से वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर भी वाहनों का आवागमन बाधित हो गया। जाम के कारण सोमवार की सुबह लोगों को बहुत परेशानी हुई। बीजपुर की ओर से आ रहे तमाम वाहन रनटोला से दुद्धी घूमकर आगे के लिए निकले। वहीं रेणुकूट से बीजपुर की ओर जाने वाले वाहन भी हाथीनाला, दुद्धी होकर आगे के लिए निकले। सुबह लगभग 10 बजे यातायात पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और जाम को समाप्त कराया। करीब पांच घंटे तक जाम लगा रहा।

एनसीएल मुख्यालय को हराकर दुद्धीचुआ ने जीती ट्रॉफी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।एनसीएल बीना कोयला क्षेत्र के आवासीय परिसर स्थित स्टेडियम में चल रहे एनसीएल की अंतर क्षेत्रीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में दुद्धीचुआ की टीम ने एनसीएल मुख्यालय को हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।प्रतियोगिता का समापन सोमवार फाइनल मैच एवं पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। फाइनल मैच एनसीएल मुख्यालय और दुद्धीचुआ के बीच खेला गया। एनसीएल मुख्यालय की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 145 रन बनाए।जवाब में उतरी दुद्धीचुआ टीम के बल्लेबाज विनायक सिंह 34 रन, अरुण 83 रन की नाबाद पारी खेली। इन्हीं दोनों बल्लेबाजों की मदद से टीम 19.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 146 रन बना कर आठ विकेट से फाइनल मैच जीत लिया। एनसीएल अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में ककरी, बीना, कृष्णाशिला, खड़िया, जयंत, निगाही, ब्लाक बी, अमलोरी, सीडब्लूएस जयंत, झिंगुरदा, एनसीएल मुख्यालय, दुद्धीचुआ कुल 12 टीमें शामिल हुई थी।

रूम हीटर के पास सोते समय चपेट में आया, रजाई समेत बिस्तर पर जला मिला शव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र जिले में एक शख्स की रूम हीटर की चपेट में आकर मौत हो गई। वह रात में अपने कमरे में हीटर लगाकर सोया हुआ था। घटना को लेकर परिवार में कोहराम मच गया। सोनभद्र जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र के मसोई गांव में रूम हीटर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। इस दौरान घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। शाहगंज प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य कांता प्रसाद के छोटे भाई विनोद मौर्य (52) पुत्र स्व. शिवनाथ सोमवार की रात में अपने कमरे में रूम हीटर लगाकर सो रहे थे। नींद में पैर किसी तरह हीटर से छू गया, जिससे वह करंट की चपेट में आ गए। देखते ही देखते आग रजाई गद्दे के साथ बेड में भी पकड़ लिया, जिससे बुरी तरह जलकर विनोद की मौत हो गई। हैरान करने वाली बात तो ये है कि इतनी बड़ी घटना का परिजनों को पता तक नहीं चल पाया। रात में विनोद का भतीजा सचिन जब किसी काम से मकान के छत पर गया तो घर से धुआं निकलते देख दौड़कर दरवाजा खोला तो देखा उसके चाचा पूरी तरह से जल चुके थे। परिजनों की सूचना पर प्रशिक्षु सीओ और थाना प्रभारी राज सोनकर भी मौके पर पहुंचे। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक विनोद की पत्नी की मौत आठ साल पहले ही हो गई थी। उनकी तीन बेटियां हैं। सभी घर से बाहर रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। विनोद की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

बालिका स्वास्थ्य, जीविका, सशक्तिकरण शिक्षा बढ़ाना बने आत्मनिर्भर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र विकास समिति- द्वारा बुधवार को ब्लॉक - रॉबर्ट्सगंज के पंचायत भवन - सलखन के सभागार में सोनभद्र विकास समिति के द्वारा ठगवर्नमेंट सर्विस प्रोवाइडरठ पर कार्यक्रम आयोजित किया । जिसमे संस्था निर्देशक राजेश , प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर मुमताज अख्तर , ग्राम प्रधान प्रतिमा , ग्राम विकास अधिकारी, लेखपाल, कम्युनिटी मोबिलाइजर चंद्रशेखर , बीना , रौशनी , आशा, आंगनवाड़ी और विभिन्न समान्नितगण उपस्थित रहे। राजेश चौबे ने संबोधित करते हुए बताया कि गर्वनमेंट सर्विस प्रोवाइडर पर जागरूकता आधारित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिका स्वास्थ्य, जीविका, सशक्तिकरण , शिक्षा को बढ़ाना व आत्मनिर्भर बालिका निर्माण हैं। ग्राम प्रधान प्रतिमा ने बालक बालिका को एकसमान बताते हुए कौशल के महत्वपूर्ण बिन्दु का व्याख्यान किया और बालिका शिक्षा को संजीवनी बताया। बालिका संरक्षण आधारित विभिन्न कानूनी अधिकार का व्याख्यान किया । मुमताज द्वारा, प्रश्न उत्तर कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के सम्पूर्ण जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का जवाब दिया गया व सरकार द्वारा हिंसा सम्बन्धित मिशन योजना के बारे में बताया और स्वच्छता व स्वास्थ्य पर बालिकाओं से बात किया। चंद्रशेखर ने बताया कि दैहिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ होना (समस्या-विहीन होना) ही स्वास्थ्य है। किसी व्यक्ति की मानसिक,शारीरिक और सामाजिक रुप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं।। स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति रहे।

जन्मे है राम रघुरैया, अवधपुर में बाजे बधैया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
राबर्ट्सगंज, सोनभद्र। श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के द्वितीय दिवस के अवसर पर श्री राम जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया-नवमी तिथि मधुमास पुनीता। शुक्ल पक्ष अभिजीत हरिप्रीता मध्य दिवस अति शीत न घामा। पावन काल लोक विश्रामा।दीनों पर दया करने वाले कौशल्या जी के हितकारी कृपालु प्रभु प्रगट हुए- भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी। हर्षित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप निहारी। लोचन अभिराम तनु घनश्यामा निज आयुध भुज चारी। भूषण मन वनमाला नयन भूषण वनमाला नैन विशाला शोभा सिंधु खरारी। व्यास आचार्य सूर्य लाल मिश्र के मुखारविंद से निकले इसी छंदों के साथ श्रीराम का जन्म हुआ। श्री सालिक राम को पाल पालने में झूला कर जन्म उत्सव की झांकी दिखाई गई, यजमान सत्यपाल जैन ने सह पत्नी रजनी जैन के साथ पालने की डोर पकड़ कर रस्म निभाई। इस अवसर पर मानस पांडाल में राम जन्म उत्सव की झांकी सजाई गई, मुद्राएं एवं खिलौने लुटाए गए और सोंठ के लड्डू बांटे गए, पटाखे भी छुड़ाए गए। इसके एक दिन पूर्व रात्रि प्रवचन के प्रारंभिक क्रम में सुप्रसिद्ध कथावाचक नीरज भैया जी ने संगीतमय शिव विवाह तथा नारद मोह की कथा सुनाते हुए कहा कि विवाह तो बहुत हुए हैं लेकिन शिव विवाह समाज के लिए अनुकरणीय है। शिव ने ससुर का पैर नहीं छुआ इसी के कारण दक्ष प्रजापति ने दमाद को समाज में झुका राजा लेकिन भगवान शिव ने इस परंपरा को तोड़ते हुए यह संदेश दिया कि जिसका एक बार पाव पूज लिया जाय उल्टा उससे पैर छुआने पर ससुर का विनाश ही होता है। कथावाचक नीरज भैया जी ने नारद मोह की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि जैसे नारद को मोह हुआ उसी तरह मनुष्य मनुष्य भी मोह में बंध जाता है। तो भगवान उसका चेहरा ही बिगाड़ देते हैं। मंच का संचालन आचार्य संतोष कुमार द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, राकेश तिवारी, रवींद्र पाठक, सुधाकर दुबे, इंद्रदेव सिंह, अयोध्या दुबे, संगम गुप्ता, घनश्याम सिंघल, अशोक गुप्ता, आलोक शुक्ला, रवि जालान, किशोर केडिया, विजय जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय पं0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय पं0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में किया गया। कार्यक्रम में लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। जनपद में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ भा0ज0पा0 जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी द्वारा माँ शारदा व श्रद्धेय पं0 अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर भा0ज0पा0 जिलाध्यक्ष ने अपने उदबोधन में कहा कि सुशासन दिवस भारत के तीन बार प्रधानमंत्री रहे श्रद्धेय पं0 अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़ा हुआ है। वाजपेयी जी का जन्म 25 दिसम्बर को हुआ था। उनकी जयंती को ही सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका लक्ष्य बेहतर प्रशासनिक कार्य प्रणाली और नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। श्रद्धेय पं0 अटल बिहारी वाजपेयी अपनी वक्तृत्व कला के लिए प्रसिद्ध थे इसके साथ ही आदर्श राजनेता थे। उन्होंने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि हमनें हमेशा राष्ट्र को राजनीति से ऊपर रखा है। अटल जी ने देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया, हमें अटल जी के जीवन से शिक्षा व प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उनके द्वारा बताये गये मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चें एक लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करें व अपने लक्ष्य को प्राप्त करें, जब तक लक्ष्य नही बनायेंगे तब तक उसकी प्राप्ति सम्भव नहीं है। मैं प्रतिभागी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

स्पोर्ट्स

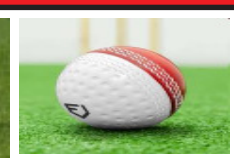
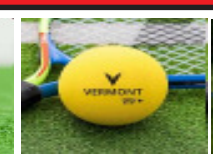
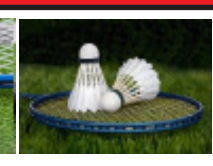

आठ साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी, 8 टीमों के बीच खेले जाएंगे 15 मैच; यहां देखें कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होगा। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी कर दिया।अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा। पाकिस्तान के अलावा इस टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) करेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आगामी टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी कर दिया। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से होगी जबकि फाइनल नौ मार्च को खेला जाएगा।आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे। भारतीय टीम के सभी ग्रुप स्टेज के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। वहीं, बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में ही खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट 19 दिनों तक चलेगा। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची मैचों की मेजबानी करेंगे। पाकिस्तान के हर एक मैदान पर तीन-तीन ग्रुप मैच खेले जाएंगे। लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। अगर भारत फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करता है तो लाहौर ही नौ मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा। अगर भारत क्वालिफाई करता है तो फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व डे होंगे। भारत से जुड़े तीन ग्रुप मैच और पहला

सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। गत चैंपियन पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगा। पाकिस्तान का आखिरी लीग मैच बांग्लादेश के खिलाफ रावलपिंडी में 27 फरवरी को खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच लीग मैच 23 फरवरी (रविवार) को खेला जाएगा। यह मुकाबला दुबई में खेला जाएगा। स्पाकिस्तान के अलावा भारत के ग्रुप में अन्य दो टीमें बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। महामुकाबले से पहले भारत का सामना 20 फरवरी को बांग्लादेश से होगा और पाकिस्तान से भिड़ने के बाद टीम 2 मार्च को न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। ये सभी मैच दुबई में होंगे। दूसरे ग्रुप में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका हैं। भारत के खेलों के अलावा दोनों ग्रुप के मैच लाहौर, कराची और रावलपिंडी में खेले जाएंगे। दो सेमीफाइनल 4 मार्च और 5 मार्च को होंगे। दोनों सेमीफाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है। 9 मार्च को होने वाले फाइनल में भी रिजर्व डे की व्यवस्था रहेगी। पहला सेमीफाइनल (अगर भारत उसमें पहुंचता है) यूएई में खेला जाएगा। अगर भारत क्वालीफाई नहीं करता है तो मैच पाकिस्तान में ही होगा। ऐसे ही फाइनल लाहौर में खेला जाएगा। अगर भारत खिताबी मुकाबले तक पहुंचता है तो इसे यूएई में कराया जाएगा। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को बताया था कि भारत और पाकिस्तान के सभी मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू (तटस्थ स्थल) पर खेले जाएंगे। इसका अर्थ है कि अब दोनों टीमें किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में एक-दूसरे के देश के दौरे पर नहीं जाएंगी और दोनों टीमों के बीच किसी तटस्थ स्थान पर मुकाबले खेले जाएंगे। यह नियम 2024-2027 तक लागू रहेगा।

गिल को खुद पर भरोसा करना होगा', मेलबर्न टेस्ट से पहले शुभमन को इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज की सलाह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। ब्रिस्बेन में तीसरे टेस्ट में वह पहली पारी में जल्दी आउट हो गए, लेकिन बाद में केएल

राहुल और रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक जमाकर मैच ड्रॉ कराया। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'मुझे गिल को खेलते देखना पसंद है।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपनी बल्लेबाजी शैली में काफी बदलाव कर लिए हैं जिससे विदेश दौरों पर रन नहीं बन पा रहे, लेकिन उन्हें आत्मविश्वास पैदा करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके।ब्रिस्बेन में तीसरे टेस्ट में वह पहली पारी में जल्दी आउट हो गए, लेकिन बाद में केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक जमाकर मैच ड्रॉ कराया। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'मुझे गिल को खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उनका कोई सानी नहीं है, लेकिन विदेश में उनका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है।' पोंटिंग ने कहा कि एडिलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने गिल की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं बन पा रहे।उन्होंने कहा, 'मैंने एडिलेड में उन्हें बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उन्होंने काफी बदलाव कर लिए हैं।

पंत, गिल और जायसवाल एक ही नाव पर सवार हैं', मेलबर्न टेस्ट से पहले रोहित ने क्यों दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। रोहित ने इन तीनों बल्लेबाजों की फॉर्म को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, 'गिल, जायसवाल और पंत जैसे खिलाड़ी एक ही नाव पर सवार हैं। वे जानते हैं कि वह क्या करने में सक्षम हैं। यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और शुभमन गिल अपनी अनियमित फॉर्म के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में एक जैसी स्थिति में हैं, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि इन तीनों में से किसी पर भी अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा क्योंकि इससे स्थिति और जटिल हो जाएगी। जायसवाल ने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 161 रन की मैच जिताने वाली पारी खेली थी, लेकिन इसके बाद उनका बल्ला नहीं चल पाया, जबकि गिल और पंत अभी तक खेले गए तीन टेस्ट मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए।रोहित ने इन तीनों बल्लेबाजों की फॉर्म को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, 'गिल, जायसवाल और पंत जैसे खिलाड़ी एक ही नाव पर सवार हैं। वे जानते हैं कि वह क्या करने में सक्षम हैं।

हमें चीजों को जटिल नहीं बनाना चाहिए। जायसवाल पहली बार ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे हैं। वह पहले ही दिखा चुके हैं कि वह क्या करने में सक्षम हैं। वह बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और जब आपके पास उनके जैसा खिलाड़ी हो तो आप उनकी मानसिकता में बहुत अधिक छेड़छाड़ नहीं करना चाहेंगे।रोहित ने कहा, 'उन्हें जितना संभव हो उतना खुलकर खेलने दें और उनकी बल्लेबाजी को लेकर बहुत अधिक विचार करके उस पर अतिरिक्त बोझ नहीं बनने दें। वह किसी अन्य की तुलना में अपनी बल्लेबाजी के बारे में बेहतर समझ रखते हैं और उन्होंने अभी तक इसी तरह से क्रिकेट खेली है।' इसी तरह से गिल को लेकर भारतीय कप्तान किसी तरह से चिंतित नहीं हैं और उन्हें उन पर पूरा भरोसा है रोहित ने कहा, 'जहां तक गिल की बात है तो हम सभी जानते हैं कि वह कितना कुशल खिलाड़ी हैं। यह उनके कौशल पर भरोसा करने से जुड़ा हुआ है। जायसवाल की तरह हम उनके लिए भी चीजों को जटिल नहीं बनाना चाहते हैं। वह अपनी बल्लेबाजी को बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। गिल जानते हैं कि बड़े स्कोर कैसे बनाए जाते हैं और वह पहले ऐसा कर चुके हैं। उन्हें केवल अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है रोहित ने यह सुझाव भी खारिज कर दिया कि पंत पर 2021 के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने का दबाव है। उन्होंने कहा, 'पंत पर किसी तरह का दबाव नहीं है। उन्होंने यहां अभी तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं। भारत में वह अच्छी फॉर्म में था। हमें दो या तीन टेस्ट मैच के आधार पर आकलन नहीं करना चाहिए। वह जानता है कि उसे क्या करना है।

शास्त्री को कोहली और स्मिथ से बड़ी पारी खेलने का भरोसा, बोले - रन बनाने के लिए आतुर होंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज कोहली ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाया था, जबकि स्मिथ ने ब्रिसबेन में खेले गए तीसरे टेस्ट

की पहली पारी में शतक जड़ा था। शास्त्री ने कहा कि विलियमसन और रूट ने 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया और दोनों क्रमशः छह और चार टेस्ट शतक जड़े, जबकि कोहली और स्मिथ के नाम इस प्रारूप में एक-एक शतक रहा। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि फैब फोर रैंकिंग में जो रूट और केन विलियमसन से फिलहाल पीछे चल रहे विराट कोहली और स्टीव स्मिथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो मैचों में रन बनाने के लिए आतुर होंगे और विपक्षी टीम के लिए खतरनाक साबित होंगे। कोहली और स्मिथ दोनों ने हाल के दिनों में बल्ले से संघर्ष किया है। दोनों ने हालांकि पांच मैचों की मौजूदा सीरीज के पहले तीन टेस्ट मैचों में एक-एक शतक बनाया है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज कोहली ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाया था, जबकि स्मिथ ने ब्रिसबेन में खेले गए तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शतक जड़ा था। शास्त्री ने कहा कि विलियमसन और रूट ने 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया और दोनों क्रमशः छह और चार टेस्ट शतक जड़े, जबकि कोहली और स्मिथ के नाम इस प्रारूप में एक-एक शतक रहा। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में कहा, मुझे लगता है कि मौजूदा फॉर्म के आधार पर कोहली और स्मिथ फैब फोर की रैंकिंग में नीचे खिसक गए हैं। रूट लगातार रन बना रहे हैं और विलियमसन भी बेहतर बल्लेबाजी कर रहे हैं। हैरी ब्रूक पिछले कुछ समय से शानदार रहे हैं और कुछ अन्य युवा खिलाड़ियों ने भी प्रभावित किया है। ये दोनो हालांकि विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। ऐसी स्थिति में, आप जानते हैं कि वे खतरनाक होंगे क्योंकि वे रन बनाने के लिए आतुर हैं।

दूसरे वनडे में भारत की विंडीज पर 115 रन से जीत, दर्ज की अजेय बढ़त, हरलीन देओल ने जड़ा शतक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम ने हरलीन देओल की शतकीय पारी की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 358 रन बनाए। जवाब में

वेस्टइंडीज की टीम 46.2 ओवर में 243 रन ही बना सकी। भारत के लिए प्रिया मिश्रा ने तीन विकेट चटकाए। ण्भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में 115 रनों से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। अब टीम की नजर तीसरे मैच (27 दिसंबर) में जीत के साथ विंडीज टीम का सूपड़ा साफ करने पर होगी। वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम ने हरलीन देओल की शतकीय पारी की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 358 रन बनाए। इसी के साथ टीम इंडिया ने अपने सबसे बड़े स्कोर की बराबरी की। इससे पहले टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 2017 में दो विकेट पर 358 रन बनाये थे। यह वेस्टइंडीज के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर भी है।जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 46.2 ओवर में 243 रन ही बना सकी। भारत के लिए प्रिया मिश्रा ने तीन विकेट चटकाए। सीरीज का पहला मुकाबला भारत ने 211 रन से जीता था। वेस्टइंडीज ने बड़े लक्ष्य का पीछा सतर्कता से शुरू किया लेकिन दीप्ति ने छठे ओवर में छक्का खाने के बाद कियान जोसेफ (16) को पवेलियन की राह दिखा कर भारत को पहली सफलता दिलाई। नेरिसा क्राफ्टन 17 गेंद की पारी में तीन चौके की मदद से 13 रन बनाकर तितास की गेंद पर उन्हीं को कैच देकर आउट हुई। प्रिया ने रशादा विलियम्स को रनआउट कर वेस्टइंडीज की मुश्किलें बढ़ा दी। क्रीज पर आईं डियांड्रा डॉटिन (10) ने तितास और प्रिया के खिलाफ चौका लगाया जिससे वेस्टइंडीज ने 13 ओवर में 50 रन पूरे किए। रेणुका ने 17 ओवर में डॉटिन को बोल्ड कर मैच पर भारत का दबदबा कायम किया। पारी का आगाज करने के बाद से बेहद रक्षात्मक बल्लेबाजी कर रही मैथ्यूज ने अब आक्रामक तेवर के साथ लगातार अंतराल पर गेंद को सीमा रेखा के पार भेजना शुरू किया। उन्होंने कैंपबेल के साथ तेजी से रन जुटाने जिससे टीम ने 22वें ओवर में 100 और 30वें ओवर में 150 रन के आंकड़े को पार किया। दोनों की आक्रामक शतकीय साझेदारी से वेस्टइंडीज की टीम कुछ समय तक भारतीय खेमे को परेशान करने में सफल रही लेकिन 34वें ओवर में तितास की गेंद पर कैंपबेल के आउट होने के बाद दीप्ति ने आलिया ऑलेन को खाता खोले बगैर चलता किया। दीप्ति के इसी ओवर में मैथ्यूज ने 99 गेंद में अपना शतक पूरा किया। मैथ्यूज इसके बाद पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दर्द में दिखी। उन्होंने फिजियो के इलाज लेने के बाद खेलना जारी रखा लेकिन प्रतिका की गेंद को जेमिमा के हाथों में खेल गयी। उनके आउट होते ही वेस्टइंडीज की हार पक्की हो गई। हरलीन (115) ने 103 गेंद की पारी में 16 चौके जड़े। उन्होंने अपनी पारी के दौरान तीन शानदार साझेदारियां की। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए प्रतिका रावल (76) के साथ 75 गेंद में 62, तीसरे विकेट के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर (22) के साथ 41 गेंद में 43 और चौथे विकेट के लिए जेमिमा रोड्रिग्स (52) के साथ 71 गेंद में 116 रन की आक्रामक साझेदारी की। इससे पहले शानदार लय में चल रही स्मृति मंधाना ने 47 गेंद में सात चौके और दो छक्के की मदद से 52 रन बनाने के अलावा प्रतिका के साथ भारत को लगातार दूसरे मैच में पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी के साथ शानदार शुरुआत दिलाई। प्रतिका ने 86 गेंद की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। जेमिमा ने आखिरी ओवरों में 36 गेंद की तेजतर्रार पारी में छह चौके और एक छक्का जड़ा भारतीय प्रबंधन हरलीन के शतक से खुश होगा क्योंकि इस पारी के दौरान उन्होंने यह साबित किया कि वह ऑफ के साथ साथ लेग साइड में सहजता से रन बना सकती हैं। दाएं हाथ की इस बल्लेबाज को क्षेत्ररक्षकों के बीच गेंद खेलकर रन चुराने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने शमीलिया कॉनेल की गेंद पर चौका लगाकर 98 गेंद में अपना पहला शतक पूरा किया।

विनोद कांबली की हेल्थ पर आया बड़ा अपडेट, खास दोस्त ने कहा वो अभी ठीक हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कांबली के दोस्त मार्कस क्यूटो ने बताया कि पूर्व बल्लेबाज की हालत अब स्थिर है। इलाज चलने तक वह अस्पताल में ही रहेंगे पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली की हालत सोमवार को अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनकी हेल्थ पर बड़ा अपडेट सामने आया है। कांबली के दोस्त मार्कस क्यूटो ने बताया कि पूर्व बल्लेबाज की हालत अब स्थिर है। इलाज चलने तक वह अस्पताल में ही रहेंगे।कांबली के दोस्त क्योटू ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए कहा- कांबली अब ठीक हैं। उन्हें यूरीन संक्रमण है और उन्हें शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मैं आज अस्पताल में उनसे मिला। मैंने उनसे कहा कि वे उसका एक महीने तक अस्पताल में इलाज करें क्योंकि उसे कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं। जब कोई उसके इलाज पर पैसे खर्च करने को तैयार है, तो क्यों नहीं? मंगलवार को अस्पताल के डॉ. विवेक त्रिवेदी ने भी पूर्व क्रिकेटर की हेल्थ पर अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि कांबली पर यूरीन संक्रमण के इलाज का असर हो रहा है। त्रिवेदी उस

मेडिकल टीम का नेतृत्व कर रहे हैं जो पूर्व क्रिकेटर के स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक पूर्व भारतीय बल्लेबाज का एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) करने की योजना बना रहे थे, लेकिन उन्हें बुखार होने के कारण इस तरह की चिकित्सा प्रक्रिया पर निर्णय बाद में लिया जाएगा। त्रिवेदी ने कहा कि पहले की गई कई चिकित्सीय जांचों में मस्तिष्क में थक्के का पता चलने के बाद एमआरआई प्रक्रिया जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि कांबली को एक या दो दिन के भीतर आईसीयू से बाहर निकाले जाने और लगभग चार दिनों के बाद छुट्टी दिए जाने की संभावना है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

'मैं दर्शक दीर्घा में मौजूद पत्नी को फ्लाइंग किस नहीं देता' अश्विन ने किसे किया ट्रोल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। चेन्नई में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल अथर्टन के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अश्विन ने कई खुलासे किए हैं। स्काई स्पोर्ट्स पॉडकास्ट में अश्विन ने कहा कि वह चाहते थे कि लोग जानें कि वह कैसे इंसान हैं क्योंकि क्रिकेट खेलते हुए वह अक्सर खिलाड़ी भीड़ में खो जाते हैं। रविचंद्रन अश्विन ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था। अश्विन न सिर्फ अपने खेल में, बल्कि अपने शब्दों के साथ भी उतने ही अच्छे हैं। जब वह कुछ बोलते हैं तो आपको शायद ही कभी ऐसा क्षण मिलेगा, जिसमें आप नीरस महसूस करेंगे। चाहे क्रिकेट का मैदान हो या फिर उनका यूट्यूब चैनल, वह दर्शकों को व्यस्त रखकर उनका मनोरंजन करने में माहिर हैं। अश्विन ने अब एक ऐसा बयान दिया है, जिससे ऐसा महसूस हो रहा है कि वह उन खिलाड़ियों को ट्रोल कर रहे हैं जो किसी खास क्षण में सेलिब्रेशन के तौर पर दर्शक दीर्घा में बैठी अपनी पत्नी को फ्लाइंग किस देते हैं। चेन्नई में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल अथर्टन के साथ

एक इंटरव्यू के दौरान अश्विन ने कई खुलासे किए हैं। स्काई स्पोर्ट्स पॉडकास्ट में अश्विन ने कहा कि वह चाहते थे कि लोग जानें कि वह कैसे इंसान हैं क्योंकि क्रिकेट खेलते हुए वह अक्सर खिलाड़ी भीड़ में खो जाते हैं। अश्विन ने कहा कि उनके बारे में सबसे बड़ा मिथक यह था कि लोगों को लगता था कि वह बहुत गंभीर हैं और खेल का उतना लुत्फ नहीं उठाते जितना विराट कोहली लेते हैं। अश्विन ने कहा, 'मैं चाहता था कि लोग मुझे जानें कि मैं कौन हूं, क्योंकि बहुत बार अश्विन सिर्फ विकेट ले रहे होते हैं और विराट कोहली होते हैं जो जश्न मना रहे होते हैं। विराट विकेट को एंजॉय करते दिखते हैं और लोगों को अक्सर लगता है कि अश्विन गंभीर हैं और विराट खेल को एंजॉय कर रहे हैं। यही कारण है कि किसी ने मुझसे सवाल पूछा कि तुम हर समय गंभीर क्यों रहते हो? इस पर मेरा जवाब है कि मैं कभी गंभीर व्यक्ति नहीं रहा हूं, लेकिन जब कोई मेरी टीम को परेशान कर रहा होता है और मेरे हाथ में अपने देश के लिए टेस्ट मैच जीतने के लिए गेंद होती है, तो मेरा दिमाग एक जगह रुक जाता है, क्योंकि मैं उस प्रक्रिया में होता हूं।' टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक 11 प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार हासिल करने वाले और 37 बार पांच विकेट लेने वाले अश्विन ने कहा कि उन्होंने कभी भी अपनी उपलब्धियों का जश्न असाधारण रूप से नहीं मनाया। उन्होंने कहा कि वह कभी स्टैंड में बैठी पत्नी को फ्लाइंग किस नहीं देंगे। अश्विन ने कहा, 'आपने मुझे पांच विकेट लेने पर ड्रेसिंग रूम या आतिथ्य बॉक्स में बैठी मेरी पत्नी को किस देते नहीं देखा होगा। मुझे लगता है कि मैं जो हूं, वह बाहर नहीं आ पाता। इसलिए मैं इसे अपनी किताब में लाना चाहता था।

सम्पादकीय

नए रूप में साम्राज्यवादी शक्तियां, जार्ज सोरोस पर सत्तापक्ष एवं विपक्ष में तल्ख बयानबाजी की भेंट चढ़ा संसद सत्र

बीते दिनों सीरिया में जो हुआ वह किसी से छिपा नहीं। उससे पहले बांग्लादेश भी नाटकीय घटनाक्रम का साक्षी बना। यह सब विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप और संघर्ष का परिणाम रहा। ऐसे में सोरोस का भारत के आंतरिक मामले में बार-बार दखल देना और उन्हें मिल रहा प्रत्यक्ष-परोक्ष भारतीय समर्थन हमें इतिहास के काले पन्नों की ओर ले जाता है। संसद के हालिया सत्र का एक बड़ा हिस्सा विवादित अमेरिकी उद्यमी जार्ज सोरोस को लेकर सत्तापक्ष एवं विपक्ष में तल्ख बयानबाजी की भेंट चढ़ गया। सोरोस उस अधिनायकवादी और साम्राज्यवादी विचारधारा के प्रतीक हैं, जो अपने वैश्विक दृष्टिकोण और व्यापारिक-रणनीतिक हितों के लिए वैश्विक भूगोल, इतिहास और संस्कृति को बदलने पर आमादा

हैं। याद रहे कि पारंपरिक औपनिवेशवाद के दिन अब लद चुके हैं। अब न तो सैन्यबल से किसी समाज को नष्ट किया जाता है और न ही किसी देश पर कब्जे से। इसके बावजूद साम्राज्यवादी मानसिकता का अंत नहीं हुआ है। उसने केवल अपना चोला बदला है। अब इसके हथियार सांस्कृतिक, सामाजिक, मजहबी और आर्थिकी पर गढ़ा जाने वाला नैरेटिव है। विदेशी ताकतें लक्षित देशों में बिकाऊ लोगों की एक फौज खड़ी करती हैं, जो लोग इशारा मिलते ही उनके बनाए नैरेटिव पर अपने देश को विरूपित करना शुरू कर देते हैं। इससे माहौल बिगड़ना शुरू हो जाता है। अपने कुत्सित इरादों की पूर्ति के लिए सोरोस ने दुनिया भर में दांव लगाए हैं। इसी कड़ी में 94 वर्षीय सोरोस ने कई अमेरिकी मीडिया संस्थाओं में निवेश किया है। उनकी कुल संपत्ति 44 अरब डालर है, जिसका बड़ा हिस्सा उन्होंने 'मानवाधिकार' और 'लोकतंत्र' के नाम पर खर्च किया है। इस उपक्रम का उद्देश्य दुनिया को अपनी कल्पना के अनुरूप ढालना और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना है। यही कारण है कि सोरोस पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का आरोप है। वर्ष 1992 में इंग्लैंड के बैंकों को बर्बाद करके अकूत धन अर्जित करना, 1997 में थाइलैंड की करेंसी को गिराना, 2002 में फ्रांसीसी अदालत द्वारा अनैतिक-अनधिकृत व्यापार का दोषी ठहराना और कई देशों द्वारा सोरोस की संस्थाओं पर जुर्माना-प्रतिबंध लगाना इसके कुछ उदाहरण हैं। सोरोस और उनकी संस्था अपने नापाक एजेंडे की पूर्ति के लिए अक्सर समाजसेवा और परोपकार का मुखौटा लगाए रहते हैं। भारत सहित तमाम देश विदेशी ताकतों के व्यापक हस्तक्षेप के भुक्तभोगी रहे हैं। इसके प्रभावों की गहन पड़ताल भी हुई है। राजनयिक नरेंद्र सिंह सरीला ने अपनी पुस्तक 'विभाजन की असली कहानी' में लिखा कि अंग्रेजों ने दुनिया के इस हिस्से में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए भारत का विभाजन करके इस्लामी पाकिस्तान को जन्म दिया था। इसके लिए अंग्रेजों ने 'भारतीयों' का ही उपयोग किया। अब सोरोस जैसे लोग भी उसी काम में लगे हैं। बीते दिनों सीरिया में जो हुआ, वह किसी से छिपा नहीं। उससे पहले बांग्लादेश भी नाटकीय घटनाक्रम का साक्षी बना। यह सब विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप और संघर्ष का परिणाम रहा। ऐसे में सोरोस का भारत के आंतरिक मामले में बार-बार दखल देना और उन्हें मिल रहा प्रत्यक्ष-परोक्ष भारतीय समर्थन हमें इतिहास के काले पन्नों की ओर ले जाता है। क्रूर आक्रांता औरंगजेब की मृत्यु के बाद भारत में मुगल शासन कमजोर पड़ा तो मराठा परचम अटक से कटक तक लहरा रहा था। तब सूफी प्रचारक शाह वलीउल्लाह देहलवी ने अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली को भारत पर आक्रमण के लिए लंबी चिट्ठी लिखी, क्योंकि वह 'काफिर' मराठों को पराजित कर भारत में पुनः इस्लामी राज स्थापित करना चाहता था। जब 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई हुई, तब वलीउल्लाह द्वारा आमंत्रित अब्दाली को भारत में पश्तून रोहिल्लाओं, बलूचियों, शुजाउद्दौला आदि नवाबों के साथ स्थानीय मुस्लिमों का समर्थन मिला और उन्होंने मिलकर मराठों को पराजित कर दिया। इसने मराठाओं का बल घटा दिया, जो वर्ष 1803 के दिल्ली (पटपड़गंज) युद्ध में मराठों की अंग्रेजों के हाथों मिली पराजय का एक बड़ा कारण बना। वलीउल्लाह के विचार ही तालिबान के आधार रहे। यदि 18वीं शताब्दी में 'अपनों' ने अब्दाली को बुलाया नहीं होता या फिर मीर जाफर-जयचंद ने 'अपनों' को धोखा नहीं दिया होता, तो संभवतः भारत का इतिहास कुछ और होता। दुर्भाग्य से अब भी बहुत कुछ वैसा ही है। अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति हेतु आज भी कई 'अपने' आत्मसम्मान और हितों को दांव पर लगा रहे हैं। कई अवसरों पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी असंतोष जता चुके हैं कि अमेरिका या कोई यूरोपीय देश भारत के आंतरिक मामलों पर कुछ क्यों नहीं बोलते। अगस्त 2020 में पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन भी एक लेख के माध्यम से तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मोदी सरकार को अपनी नीतियां लागू करने के लिए 'फ्री-पास' देने पर आपत्ति जता चुके थे। ऐसे उदाहरण अंतहीन हैं। ब्रिटिशराज से पहले भारत विश्व की बड़ी आर्थिक महाशक्ति था। पहले अंग्रेजी दासता और स्वतंत्रता के 50 वर्षों के लिए वामपंथ प्रेरित समाजवादी विचारधारा ने भारत का दिवाला निकाल दिया। भारतीय उद्यमिता को 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद नया जीवन मिला और 2014 के बाद उसे तेजी के नए पंख लगे। आज भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक राजनीति में भारत अग्रिम देशों की पंक्ति में है। ऐसे में, कोई आश्चर्य नहीं कि कुंठित औपनिवेशिक शक्तियां भारत की विकास की गाड़ी को पटरी से उतारना चाहती हैं। अफसोस कि हमारे एक वर्ग ने इतिहास से कुछ नहीं सीखा और वह सत्ता हथियाने हेतु वही पुरानी गलतियां दोहरा रहा है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अभियान, समस्याओं का आधा-अधूरा समाधान

बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या करोड़ों में है और कुछ के अनुसार लाखों में। बांग्लादेशी घुसपैठियों की तरह कोई यह भी नहीं बता सकता कि देश में अवैध रूप से आए रोहिंग्या कितने हैं। जो बताया जा सकता है वह यह कि वे पूर्वी हिस्से से देश में घुसे और जम्मू एवं हैदराबाद तक जाकर बस गए। यह सहज ही समझा जा सकता है कि किसी ने उनकी मदद की होगी। प्रबल आशंका यही है कि बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ कराने और उन्हें असली-नकली पहचान पत्रों से लैस करके भारतीय नागरिकों का चोला पहनाने वाले अब भी सक्रिय होंगे। बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर केवल इसलिए नहीं निकाला जाना चाहिए कि शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश भारतीय हितों के खिलाफ काम कर रहा है। यह काम इसलिए भी होना चाहिए कि वे संसाधनों पर बोझ बनने के साथ ही देश की सुरक्षा के लिए खतरा भी बन रहे हैं। बांग्लादेशी हों या रोहिंग्या, वे अपनी स्पष्ट पहचान के साथ शरणार्थी के रूप में तो भारत में रह सकते हैं, लेकिन घुसपैठियों के रूप में नहीं। एक ऐसे समय जब दुनिया भर में और विशेष रूप से पश्चिमी देशों में अवैध रूप से आए लोगों के खिलाफ आवाज उठ रही है और अमेरिका में तो डोनाल्ड ट्रंप यह आवाज उठाकर चुनाव भी जीत गए, तब इसका कोई औचित्य नहीं कि भारत घुसपैठियों के प्रति ढुलमुल बना रहे या फिर उनकी पहचान का अभियान आधे-अधूरे मन से चलाया जाए। जब किसी समस्या के समाधान के लिए कामचलाऊ कदम उठाए जाते हैं तो वे केवल नाकाम ही नहीं होते, बल्कि समस्या बने तत्वों का दुस्साहस भी इससे बढ़ता है। इसलिए बढ़ता है, क्योंकि उन्हें संदेश जाता है कि समस्या का समाधान करने वाले गंभीर नहीं। यह समझा जाए तो बेहतर कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ देशव्यापी अभियान सघन तरीके से चलना चाहिए।

किसी ने उनकी मदद की होगी। इन दिनों दिल्ली में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निकाल बाहर करने का अभियान चल रहा है। इस अभियान के तहत अभी तक दस बांग्लादेशी घुसपैठियों को भी वापस नहीं भेजा जा सका है। कहना कठिन है कि दिल्ली पुलिस का अभियान कब तक जारी रहेगा और कितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकाला जा सकेगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि पहले भी दिल्ली में इस तरह का अभियान चल चुका है। वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका था। दिल्ली के बाद महाराष्ट्र में भी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान का अभियान चल निकला है। वहां भी अतीत में इस तरह का अभियान चला था और उसका नतीजा भी ढाक के तीन पात वाला रहा था। यही कहानी असम की भी है, जहां इन दिनों बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने की कवायद की जा रही है। हो सकता है कि आने वाले दिनों में कुछ और राज्य ऐसा करें, लेकिन यह तय है कि कुछ राज्य ऐसा नहीं भी करने वाले, जैसे कि बंगाल। इसी तरह झारखंड में भी यह काम नहीं होने वाला। विधानसभा चुनावों के समय झारखंड सरकार ने भाजपा के इन आरोपों को खंडन किया था कि बंगाल के रास्ते भारत में घुस आए बांग्लादेशी राज्य में बस गए हैं। उसने यह सवाल भी पूछा था कि अगर ऐसा हो रहा है तो केंद्र सरकार ऐसा होने कैसे दे रही है? केंद्र सरकार इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी थी। इससे इनकार नहीं कि बांग्लादेश से घुसपैठ हो रही है, लेकिन आखिर केंद्र सरकार इस घुसपैठ को रोक क्यों नहीं पा रही है? कारण जो भी हो, किसी एक या दो-तीन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पकड़-धकड़ करने से विशेष लाभ नहीं मिलने वाला, क्योंकि घुसपैठिये पड़ोसी राज्यों में आसानी से जा सकते हैं। क्या यह सहज स्वाभाविक नहीं कि दिल्ली पुलिस के अभियान को देखते हुए बांग्लादेशी घुसपैठिये उत्तर प्रदेश और हरियाणा खिसक जाएं? ऐसा होने का अंदेशा इसलिए भी है, क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने के किसी अभियान की तुलना में उनकी घुसपैठ कराने वाला तंत्र कहीं अधिक कारगर है। यह तंत्र बांग्लादेशी नागरिकों को केवल भारत में घुसने में ही मदद नहीं करता, बल्कि उनके लिए सुरक्षित ठिकाने भी उपलब्ध कराता है। इतना ही नहीं, यह तंत्र उन्हें असली-नकली आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्रों से लैस भी करता है। बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से भारत की सीमा में जैसे ही प्रवेश करते हैं, उन्हें आधार कार्ड उपलब्ध करा दिया जाता है। यह तंत्र केवल बांग्लादेश से लगती सीमा पर ही सक्रिय नहीं है। गत दिवस दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को पकड़ा, जो राजधानी में बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार कार्ड के साथ मतदाता पहचान पत्र तैयार कर रहा था। एक समय अवैध रूप से भारत आने वाले बांग्लादेशी बंगाल, असम, त्रिपुरा आदि सीमावर्ती राज्यों में ही अपना ठिकाना बनाना पसंद करते थे, लेकिन अब वे दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद से लेकर देश के हर हिस्से में मिल जाते हैं। किसी के लिए कहना कठिन है कि उनकी संख्या कितनी है? अलग-अलग आंकड़ों में उनकी संख्या भिन्न-भिन्न बताई जाती रही है। सही आंकड़ा इसलिए नहीं, क्योंकि केंद्र या राज्य सरकारों के पास ऐसा तंत्र ही नहीं, जो यह रेखांकित कर सके कि कितने बांग्लादेशी अवैध रूप से आए और वे कब से कहां रह रहे हैं। कुछ लोग दावा करते हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या करोड़ों में है और कुछ के अनुसार लाखों में। बांग्लादेशी घुसपैठियों की तरह कोई यह भी नहीं बता सकता कि देश में अवैध रूप से आए रोहिंग्या कितने हैं। जो बताया जा सकता है, वह यह कि वे पूर्वी हिस्से से देश में घुसे और जम्मू एवं हैदराबाद तक जाकर बस गए। यह सहज ही समझा जा सकता है कि किसी ने उनकी मदद की होगी। प्रबल आशंका यही है कि बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ कराने और उन्हें असली-नकली पहचान पत्रों से लैस करके भारतीय नागरिकों का चोला पहनाने वाले अब भी सक्रिय होंगे। बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर केवल इसलिए नहीं निकाला जाना चाहिए कि शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश भारतीय हितों के खिलाफ काम कर रहा है। यह काम इसलिए भी होना चाहिए कि वे संसाधनों पर बोझ बनने के साथ ही देश की सुरक्षा के लिए खतरा भी बन रहे हैं। बांग्लादेशी हों या रोहिंग्या, वे अपनी स्पष्ट पहचान के साथ शरणार्थी के रूप में तो भारत में रह सकते हैं, लेकिन घुसपैठियों के रूप में नहीं। एक ऐसे समय जब दुनिया भर में और विशेष रूप से पश्चिमी देशों में अवैध रूप से आए लोगों के खिलाफ आवाज उठ रही है और अमेरिका में तो डोनाल्ड ट्रंप यह आवाज उठाकर चुनाव भी जीत गए, तब इसका कोई औचित्य नहीं कि भारत घुसपैठियों के प्रति ढुलमुल बना रहे या फिर उनकी पहचान का अभियान आधे-अधूरे मन से चलाया जाए। जब किसी समस्या के समाधान के लिए कामचलाऊ कदम उठाए जाते हैं तो वे केवल नाकाम ही नहीं होते, बल्कि समस्या बने तत्वों का दुस्साहस भी इससे बढ़ता है। इसलिए बढ़ता है, क्योंकि उन्हें संदेश जाता है कि समस्या का समाधान करने वाले गंभीर नहीं। यह समझा जाए तो बेहतर कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ देशव्यापी अभियान सघन तरीके से चलना चाहिए।

नए भारत के परिकल्पना पुरुष, 25 दिसंबर का दिन सुशासन का अटल दिवस- पीएम मोदी

अटल सरकार के कई ऐसे साहसिक कार्य हैं जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है। देश को अब भी 11 मई 1998 का वह गौरव दिवस याद है जब एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहसिक, कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे। उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वह यह भी कहते थे...जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है..कौन जानता किधर सवेरा। आज अगर वह हमारे बीच होते, तो अपनी जन्मतिथि पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वह दिन नहीं भूलता, जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था और जोर से पीठ पर धौल जमा दी थी। वह स्नेह, वह अपनत्व, वह प्रेम मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। 25 दिसंबर का दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनकी राजनीति और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा और गति दी। 1998 के जिस कालखंड में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। नौ साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि यह सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने देश को स्थिरता और सुशासन का माडल दिया और भारत को नव विकास की गारंटी दी। वह ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव आज तक अटल है। वह भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आइटी और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासनकाल में ही तकनीक को सामान्य मानवी की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया गया। दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किए गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा, वह आज भी स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी उनकी गठबंधन सरकार ने पीएम ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासनकाल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी। जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। वह चाहते थे कि भारत के सभी वर्गों यानी एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाओं के लिए शिक्षा सहज और सुलभ हो। अटल सरकार के कई ऐसे साहसिक कार्य हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है। देश को अब भी 11 मई 1998 का वह गौरव दिवस याद है, जब एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन अटल जी की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को एक और परीक्षण किया गया। इस दूसरे परीक्षण ने दुनिया को यह दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो अलग मिट्टी से बना है। उनके शासनकाल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। कारगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत का हित सर्वोपरि रहा। अटल जी की बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। विरोधी भी उनके भाषणों के मुरीद थे। उनका यह कथन 'सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी, मगर यह देश रहना चाहिए', आज भी मंत्र की तरह सबके मन में गूंजता रहता है। एनडीए की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था। इसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उनमें सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति न चुनकर, पीएम पद से इस्तीफा देने का रास्ता चुना। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। वह आपातकाल के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। मैं जानता हूं कि आपातकाल के बाद 1977 के लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनसंघ का जनता पार्टी में विलय का निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन उनके लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा संविधान था। विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने हिंदी में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने भाजपा की नींव तब रखी, जब कांग्रेस का विकल्प बनना आसान नहीं था। लालकृष्ण आडवाणी और डा. मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गजों के साथ उन्होंने पार्टी को अनेक चुनौतियों से निकालकर सफलता के सोपान तक पहुंचाया। जब भी सत्ता और विचारधारा के बीच एक को चुनने की स्थितियां आईं, उन्होंने विचारधारा को खुले मन से चुना। वह देश को यह समझाने में सफल हुए कि कांग्रेस के दृष्टिकोण से अलग एक वैकल्पिक वैश्विक दृष्टिकोण संभव है। अटल जी की सौवीं जयंती सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है। आइए हम सब इस अवसर पर उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें, एक ऐसे भारत का निर्माण करें, जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो। मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

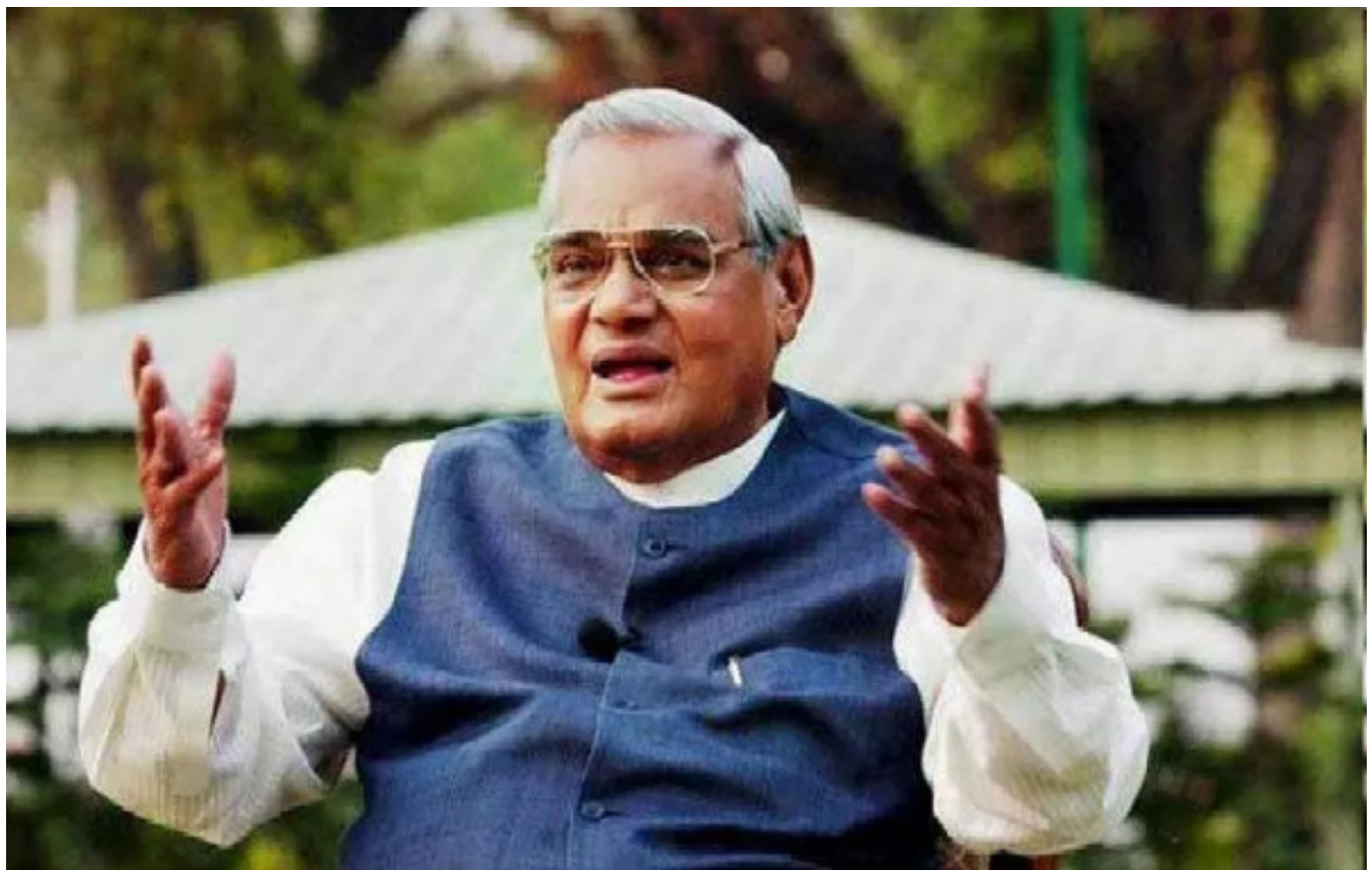

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

ठेकेदार द्वारा संविदा कर्मचारियों के साथ में हुई मारपीट मामले में जारचा पुलिस ने एनटीपीसी दादरी के उच्च अधिकारियों को भेजा नोटिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । जारचा थानांतर्गत एनटीपीसी चौकी के द्वारा संज्ञान में आया है कि एनटीपीसी के मेसर्स

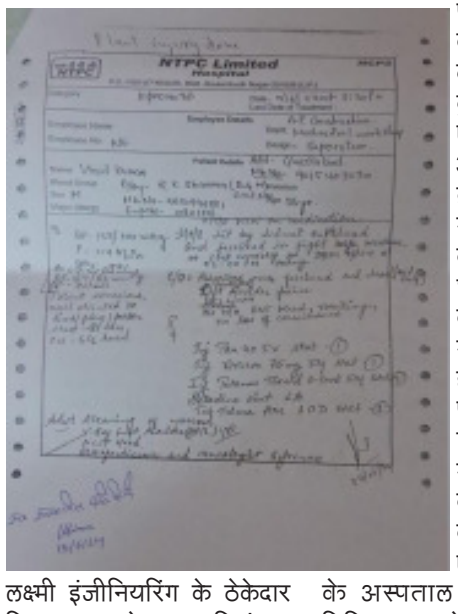

लक्ष्मी इंजीनियरिंग के ठेकेदार विजय कुमारओझा द्वारा दिनांक 7 जून 2024 को कार्यालय में घुसकर संविदाकर्मी विनोद कुमार पुत्र महिपाल सिंह के साथ मारपीट के मामले में विनोद कुमार की एफआईआर नही लिखी गयी थी।संविदाकर्मी विनोद कुमार ने बताया कि उल्टे दबंग ठेकेदार विजय कुमारओझा ने राजनीतिक पहुँच का दुरुपयोग कर विनोद कुमार और एनटीपीसी के जूनियर इंजीनियर पर झूठे मुकदमा दर्ज करवा दिय ठेकेदार विजय कुमार कुमार ओझा एवं उसके पुत्र अभय कुमार ओझा द्वारा एनटीपीसी मेकैनिकल वर्कशॉप कार्यालय में घुसकर विनोद कुमार के साथ मारपीट किया एवं हेलमेट से सिर पर प्रहार किया। इस मारपीट की घटना के बाद विनोद कुमार ने एनटीपीसी दादरी के अस्पताल एवं राजकीय चिकित्सालय नोएडा में एमएलसी रिपोर्ट बनाकर पुलिस को दिया लेकिन दर-दर भटकने के बाद भी विनोद कुमार की एफआईआर नहीं लिखी गई तो पीड़ित संविदाकर्मी ने मुख्यमंत्री पोर्टल एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई है। शिकायत की डीसीपी-2 नोएडा के निर्देश पर एनटीपीसी चौकी प्रभारी तेजवीर सिंह ने एनटीपीसी दादरी के उच्च अधिकारियों श्री प्रियरंजन कुमार अपर महाप्रबंधक, गुलाम रब्बानी गौस उप महाप्रबंधक एवं एस0सी0 वर्मा उप महाप्रबंधक को नोटिस कर पूछताछ के लिए बुलाया है।लेकिन एनटीपीसी के तीनों उच्च अधिकारी अभी तक पुलिस के सामने प्रस्तुत नहीं हुए हैं इस संबंध में एनटीपीसी ठेका श्रमिक संघ एनटीपीसी दादरी के महामंत्री का कहना है कि ठेका श्रमिक विनोद कुमार पर ठेकेदार द्वारा कराये गए झूठे एफआईआर के मामले में एनटीपीसी प्रबंधन ठेकेदार के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।ठेका श्रमिक के साथ कारखाने के अंदर कार्यालय में हुई मारपीट के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है।एनटीपीसी प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा असहयोग के कारण ठेका श्रमिक एफआईआर दर्ज करवाने के लिए दर-दर भटक रहा है। यदि संविदा कर्मी के साथ एनटीपीसी प्रबंधन और पुलिस प्रशासन ने न्याय नहीं कर उनकी एफआईआर नहीं लिखी तो एनटीपीसी ठेका श्रमिक संघ एनटीपीसी दादरी में बड़ा आंदोलन करेगा।

योग और व्यायाम भारतीय संस्कृति का पौराणिक हिस्सा- श्रीचंद शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा ।नोएडा योग और व्यायाम का भारतीय संस्कृति में पौराणिक महत्व है। सनातन काल से ही हमारे ऋषि मुनि योग साधना से शरीर को स्वस्थ रखते थे। स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ मस्तिक की पहचान है और स्वस्थ मस्तिष्क से स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है। ये बातें भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी विधायक श्रीचंद शर्मा ने गाजियाबाद में ' बॉडी हंक्स' जिम के उद्घाटन समारोह के दौरान कहीं। बता दें कि मंगलवार को गाजियाबाद के लाल कुआं में डी आर कॉम्प्लेक्स , द्वितीय तल पर इस जिम का विधिवत उद्घाटन हुआ। इस कार्यक्रम में सियासी और फिटनेस जगत के तमाम दिग्गज चेहरे पहुंचे। दावा है कि ये जिम दिल्ली एनसीआर का सबसे बड़ा जिम है, जिसका क्षेत्रफल दस हज़ार वर्ग फिट है। जिम की शुरुआत श्रीचंद शर्मा (एमएलसी) और जाने माने फिटनेस आइकॉन दीपक शर्मा (जेलर, तिहाड़) ने रिबन काट कर की। इस अवसर पर दीपक शर्मा ने कहा कि युवा नशे की बजाय यदि शरीर को स्वस्थ रखने पर देंगे और सही खान पान की आदत डालेंगे तो भविष्य सुनहरा होगा। यही नहीं उन्होंने इसे एक निरंतर और मेहनत व लगन की प्रक्रिया बताते हुए कहा कि युवा जल्दी सुडौल बनने के चक्कर में दवाओं और स्टेरॉइड का इस्तेमाल करने लगते हैं , जो गलत है। सुडौल शरीर एक दिन में नहीं बनाया जा सकता। इस मौके पर पहुंचे मशहूर रेसलर राधे गुर्जर, फिटनेस आइकॉन विपिन गुर्जर, एमसी पंडित आदि ने युवाओं को जिम के टिप्स भी दिए और मौजूद फिटनेस प्रेमियों को पुरष्कृत भी किया। जिम डायरेक्टर मनीष शर्मा ने बताया कि 'बॉडी हंक्स' में वर्कआउट की अत्याधुनिक मशीनों की बड़ी श्रंखला है। यहां फिटनेस एक्सपर्ट्स के मार्गदर्शन में लोगों को फिट रहने का मौका मिलेगा। साथ ही, जिम में वेटलिफ्टिंग, कार्डियो, योगा और अन्य फिटनेस प्रोग्राम्स की सुविधाएं भी दी जाएंगी कार्यक्रम में सीताराम शर्मा (निदेशक, जिला सहकारी बैंक, गाजियाबाद),नरेश शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार), राहुल पंडित (भाजपा जिला उपाध्यक्ष, गौतम बुद्ध नगर), अविनाश शर्मा, अर्जुन शर्मा, संजय भाटी पाली, और अजीत गुर्जर आदि लोगों ने शिरकत की।

गृह मंत्री शाह बोले- नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कर रहे नए आपराधिक कानून

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून - 'भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम' नागरिक अधिकारों के रक्षक और 'न्याय की सुगमता' का आधार बन रहे हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून - 'भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम' नागरिक अधिकारों के रक्षक और 'न्याय की सुगमता' का आधार बन रहे हैं। वह नई दिल्ली में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ एक बैठक में राज्य में तीनों कानूनों पर अमल की समीक्षा कर रहे थे।उत्तराखंड में तीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर हुई एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से कहा कि राज्य में जल्द से जल्द नए आपराधिक कानूनों पर शत-प्रतिशत अमल सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नए कानून पीड़ित और नागरिक केंद्रित हैं और इन्हें इसी भावना के साथ मुस्तैदी से लागू करने की जरूरत है। तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि राज्य के हर जिले में एक से अधिक फोरेंसिक मोबाइल वैन उपलब्ध हो।शाह ने कहा कि फॉरेन्सिक विजिट के लिए टीमों को तीन श्रेणियों - गंभीर, सामान्य और अति सामान्य - में विभाजित करना चाहिए। जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सके। इसके साथ ही गृह मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए निर्दिष्ट स्थान तय करने के लिए प्रोटोकॉल बने और सभी स्थानों पर लगने वाले कैमरा उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले हों।

बॉलीवुड/टैली मसाला

पूछताछ में पुलिस के सामने क्यों भावुक हो गए अल्लू अर्जुन सामने आई ये बड़ी वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म पुष्पा 2 की वजह से इन दिनों

लगातार सुर्खियों में हैं। हाल ही में शो के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद अभिनेता की मुश्किलें बढ़ गई थीं।हैदराबाद के संध्या थिएटर में 4 दिसंबर को 'पुष्पा 2' का प्रीमियर शो आयोजित किया गया था। इस दौरान अभिनेता अल्लू अर्जुन ने थिएटर में अचानक दौरा किया, जिससे भारी भीड़ जमा हो गई और अफरातफरी मच गई। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वहीं, उसका आठ साल का बेटा गंभीर हालत में अभी अस्पताल में भर्ती है। इस मामले में अल्लू अर्जुन को पिछले शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन इसके अगले ही सुबह उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई थी। पुलिस का कहना था कि अल्लू का यह दौरा बिना अनुमति के था। बड़ी संख्या में लोग उन्हें देखने के लिए थिएटर पहुंचे थे, जिसकी वजह से अफरतफरी मच गई थी। जमानत मिलने के बाद अल्लू अर्जुन को मंगलवार (24 दिसंबर) को पुलिस स्टेशन में इस मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक अल्लू को लगभग तीन घंटे तक पूछताछ की गई। उन्हें संध्या थिएटर में हुए भगदड़ के वीडियो दिखाए गए, जिसे देखकर वह भावुक हो गए। एक सूत्र के मुताबिक, ठअल्लू अर्जुन वीडियो देखकर भावुक हो गए, जिसमें श्रीतेज और रेवती को घायल होते हुए देखा गया।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने अल्लू से सीधे सवाल किए। सूत्र ने अनुसार उन्हें यह पूछा गया, 'क्या आप जानते थे कि पुलिस ने प्रीमियर शो में आने की अनुमति नहीं दी थी?', 'उस योजना को आगे बढ़ाने का फैसला किसने लिया था, जबकि पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी?', 'क्या किसी पुलिस अधिकारी ने आपको बाहर हुए भगदड़ के बारे में जानकारी दी थी?' 'आपको महिला की मौत के बारे में कब पता चला पुष्पा 2 की बात करें तो बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म जमकर धमाल मचा रही है। केवल भारत में ही यह फिल्म 1000 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है। फिल्म ने हिंदी भाषा में 700 करोड़ क्लब की भी शुरुआत कर दी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म का कुल कलेक्शन 1089.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

करण जौहर ने की वरुण धवन की बेबी जॉन की तारीफ, पूरी टीम को दी शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन की सराहना करते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं।एक्शन थ्रिलर फिल्म बेबी जॉन आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। फिल्म में वरुण धवन के अलावा कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी ने अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म के सबसे पहले प्रशंसक बनें बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर। करण ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बेबी की तीरफ करते हुए एक स्टोरी शेयर की है। वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन आखिरकार आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। लंबे इंतजार के बाद यह एक्शन ड्रामा फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। इस फिल्म के जरिए कीर्ति सुरेश ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है। करण जौहर ने इसका रिव्यू किया है और इसकी तारीफ की है। उन्होंने पूरी टीम को 'बड़ी सफलता' की शुभकामनाएं दी हैं। वरुण धवन ने भी इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। करण ने

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बेबी जॉन का एक पोस्टर शेयर किया और लिखा, ठपूरी टीम को भारी सफलता की शुभकामनाएं। क्या आप साल पर कुछ सोच रहे हैं? इस पर वरुण धवन ने प्रतिक्रिया के तौर पर दिल के इमोजी शेयर किए। फिल्म की पूरी कास्ट बैक-टू-बैक इसके प्रमोशन में जुटी हुई है। हाल ही में वरुण धवन और वामिका गब्बी ने अपने पारंपरिक लुक से सभी का ध्यान खींचा। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में वरुण धवन और वामिका गब्बी को एयरपोर्ट पर देखा गया, कथित तौर पर वे बेबी जॉन के प्रमोशनल इवेंट के लिए जा रहे थे। इस मौके पर अभिनेता ने मैचिंग धोती और क्रीम रंग के दोशाला के साथ सफेद कुर्ता पहना था। उन्होंने अपने पूरे लुक को आकर्षक बनाने के लिए कोलापुरी जूती और धूप का चश्मा भी पहना था। दूसरी ओर, वामिका हमेशा की तरह पीले रंग के शरारा में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। बेबी जॉन में जारा ज्याना और जैकी श्रॉफ भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इससे पहले, फिल्म की पूरी टीम, सह-निर्माता एटली और उनकी पत्नी प्रिया के साथ फिल्म की रिलीज से पहले उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में आशीर्वाद लेने गई थी। कुछ वायरल तस्वीरों और वीडियो में, टीम को मंदिर में सुबह-सुबह एक विशेष पूजा में भाग लेते हुए देखा गया। दिन के लिए। इस दौरान वरुण के बगल में कीर्ति सुरेश भी नजर आईं।

सलमान को अब मिला ऋतिक रोशन का साथ, परदे पर एक साथ दिखेंगे टाइगर और कबीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सलमान खान और ऋतिक रोशन पहली बार साथ काम करने वाले हैं। परियोजना के

निर्देशन की कमान अली अब्बास जफर संभालेंगे। सलमान खान और ऋतिक रोशन फिल्म इंडस्ट्री के दो सबसे बड़े और चमकते सितारे हैं। दोनों दशकों से कई हिट प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी भी स्क्रीन शेयर करने का मौका नहीं मिला। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि दर्शकों को दोनों कलाकारों को पर्दे पर किसी प्रोजेक्ट में साथ देखने का मौका मिल सकता है और इसको आसान बनाने के पीछे अली अब्बास जफर का हाथ है। ऋतिक रोशन ने 1995 में अपने पिता राकेश रोशन द्वारा निर्देशित सलमान खान और शाहरुख खान की फिल्म करण अर्जुन में बतौर सहायक निर्देशक काम किया था। 'कहो ना प्यार है' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने से पहले उन्होंने सलमान के साथ ट्रेनिंग भी ली थी, लेकिन किस्मत से उन्होंने कभी भी स्क्रीन पर साथ काम नहीं किया। भले ही दोनों अभिनेता एजेंट टाइगर और एजेंट कबीर के रूप में वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक शाहरुख खान और सलमान खान जैसे क्रॉसओवर सीन नहीं किए हैं। हालांकि, अब यह सब बदल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान और ऋतिक रोशन पहली बार एक्शन से भरपूर विज्ञापन फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। बताया गया कि बड़े पर्दे पर साथ काम करने की तमाम कोशिशों के बाद एक कॉरपोरेट दोनों सुपरस्टार्स को एक्शन से भरपूर विज्ञापन के लिए साथ लाया है। विज्ञापन फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और यह जल्द ही ऑन एयर होगी।

जन्मदिन पार्टी में पत्नी रकुल के साथ दिखे जैकी भगनानी, आयुष शर्मा-नुसरत भरूचा ने भी जमाया रंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जैकी भगनानी ने अपनी जन्मदिन पार्टी शानदार तरीके से होस्ट की, जिसमें उनकी पत्नी रकुल के साथ कई बॉलीवुड सितारों ने भी शिरकत की। अभिनेता और फिल्म निर्माता जैकी भगनानी आज अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड सितारों के साथ शानदार तरीके से जश्न

भी मनाया। उन्होंने बॉलीवुड सितारों के लिए एक शानदार बर्थडे पार्टी का आयोजन भी किया, जिसमें इंडस्ट्री के कई सितारों ने शिरकत की। आज के दिन अभिनेता को प्रशंसकों के साथ-साथ कई कलाकारों ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। जैकी भगनानी की जन्मदिन पार्टी से कई शानदार तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। इस पार्टी में जैकी अपनी पत्नी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पैपराजी के लिए पोज भी दिए। पार्टी के लिए रकुल और जैकी ने मैचिंग ड्रेस चुनी थी। एक ओर जहां जैकी भगनानी नेवी ब्लू जींस टीशर्ट के साथ ब्लेजर पहने हैंडसम लग रहे थे तो वहीं, दूसरी ओर रकुल भी नेवी ब्लू वेस्टर्न बॉडीकॉन गाउन के साथ बेहद हॉट नजर आ रही थीं। रकुल और जैकी ने पैपराजी से बातचीत भी की। इस दौरान रकुल ने मिनिमल मेकअप के साथ अपना लुक पूरा किया था। जैकी की पार्टी में आयुष शर्मा ने भी शिरकत की। सलमान खान के बहनोई और अर्पिता शर्मा के पति आयुष शर्मा ने भी पार्टी में पहुंचने के लिए पैपराजी के लिए पोज दिए। इसके साथ ही उन्होंने वहां मौजूद प्रशंसकों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। वहीं, लुक की बात करें तो आयुष ब्लैक जींस- टीशर्ट के साथ डार्क ब्लू कलर की जैकेट पहने दिखे, जिसमें वे बेहद कूल नजर आ रहे थे। जैकी भगनानी की जन्मदिन की पार्टी में बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक नुसरत भरूचा ने भी अपना जलवा बिखेरा। नुसरत भी हॉट गर्ल बन पार्टी में पहुंचीं और पैपराजी के लिए पोज दिए। लुक की बात करें तो नुसरत रेड कलर का डीप नेक शॉर्ट ड्रेस पहने नजर आईं, जिसमें वे बेहद बोल्ड अंदाज में दिख रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने डार्क मेकअप के साथ अपना लुक पूरा किया।

सलमान खान के कैमियो ने 'बेबी जॉन' में फूंकी जान, इन पांच फिल्मों में भी दिखा चुके हैं कमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सलमान खान के ये कैमियो रोल्स उनके फैंस के बीच हमेशा चर्चा का विषय रहे हैं। फिल्मों में उनकी इन झलकियों ने दर्शकों का दिल जितने में कोई

कसर नहीं छोड़ी।सलमान खान के कैमियो रोल हमेशा ही दर्शकों के लिए खास रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बेबी जॉन' में भी उन्हें एक विशिष्ट भूमिका में देखा गया। वरुण धवन को एक्शन अवतार में देखने के साथ दर्शकों को सलमान खान के कैमियो की वजह से भी इस फिल्म का इंतजार था। सलमान ने फिल्म में अपने शानदार अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया। 'बेबी जॉन' के अलावा भी सलमान खान ने कई फिल्मों में छोटे, लेकिन प्रभावशाली कैमियो किए हैं। आइए जानते हैं सलमान खान के पिछले पांच कैमियो रोल्स के बारे में हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सिंघम अगेन' में सलमान खान कुछ सेकंड के लिए नजर आए थे। फिल्म के आखिर में वह चुलबुल पांडे के रूप में दिखे थे। उन्हें देखकर दर्शकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा था। सलमान खान ने फिल्म 'पठान' में टाइगर का किरदार निभाया था। इस फिल्म में वह शाहरुख खान को एजेंट्स से बचाने के लिए आते हैं। फिल्म में उनकी एंट्री ने दर्शकों को चौंका दिया था। उनका यह कैमियो फिल्म के एक्शन और ड्रामा को और भी रोमांचक बना गया था। सलमान खान ने फिल्म 'जीरो' के गाने 'इश्कबाजी' में कैमियो किया था। इस गाने में वह शाहरुख खान के साथ नजर आए थे। फिल्म में किंग खान एक छोटे कद के शख्स के किरदार में थे। सलमान का यह कैमियो खासतौर पर दर्शकों के लिए एक सरप्राइज था। फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में सलमान खान ने एक हंसी से भरपूर कैमियो किया था। इस फिल्म में वह अजय देवगन के किरदार को गुंडों से बचाते हैं। सलमान का यह अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया था। सलमान खान ने फिल्म 'तीस मार खान' के गाने 'वल्ला रे वल्ला' में कैमियो किया था। इस गाने में उनके साथ अक्षय कुमार और कटरीना कैफ भी थे। सलमान का यह कैमियो फिल्म में मस्ती और मनोरंजन का तड़का था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी थी।

हास्य कलाकारों को दिखाई नई राह, आम घटनाओं को कॉमेडी के जरिए बना दिया यादगार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आज भी राजू श्रीवास्तव का नाम सुनते ही दर्शकों के होंठों पर एक मुस्कान आ जाती है। उनकी कॉमेडी स्टाइल, जोक्स याद आ जाते हैं। 25 दिसंबर 1963 को कानपुर, उत्तर प्रदेश में जन्मे राजू ने एक लंबे संघर्ष के बाद कॉमेडी जॉनर में अलग पहचान बनाई। राजू श्रीवास्तव की जयंती के अवसर पर जानिए, उनके करियर से जुड़ी खास बातें। अमिताभ बच्चन, लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव जैसे कई कलाकारों, राजनेताओं की मिमिक्री शानदार और सभ्य ढंग से करने लिए राजू श्रीवास्तव को ही याद किया जाता है। अपने पूरे करियर में कभी भी कॉमेडी में फूहड़ता राजू श्रीवास्तव ने शामिल नहीं की थी। आज यह उम्दा कॉमेडियन हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके कहे हास्य से भरे किस्से दर्शकों की यादों में बसे हुए हैं। राजू श्रीवास्तव की जयंती पर जानिए, उनकी कॉमेडी के सफर और सफलता की कहानी। राजू श्रीवास्तव कानपुर से मुंबई एक्टिंग करने का सपना लिए आए। शुरुआती दौर में उन्होंने फिल्मों में बहुत छोटे-छोटे किरदार निभाए। फिल्म 'तेजाब', 'मैंने प्यार किया', 'बाजीगर', 'आदमी अठन्नी खर्चा रुपया', 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'बॉम्बे टू गोवा', 'टॉयलेट एक प्रेम कथा', 'कंजूस मक्खीचूस' जैसी फिल्मों में वह नजर आए। राजू को शुरुआती दौर में फिल्मों में रोल पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। लेकिन उनके करियर में बड़ा मोड़ तक आया,जब उन्होंने लाफ्टर चैलेंज जैसे रियालिटी शो में हिस्सा लिया।लाफ्टर चैलेंज में ही दर्शकों ने राजू श्रीवास्तव को अमिताभ बच्चन की गजब की कॉमेडी करते देखा, वैसे वह पहले भी सदी के महानायक की कॉमेडी करते थे। अमिताभ बच्चन ने भी राजू श्रीवास्तव के हुनर और मिमिक्री की खूब तारीफ की थी। अमिताभ बच्चन की मिमिक्री करके राजू श्रीवास्तव काफी मशहूर हुए।लाफ्टर चैलेंज शो में ही राजू श्रीवास्तव ने अपने देसी अंदाज से दर्शकों को रूबरू करवाया। ग्रामीण भारतीय किरदारों को वह राष्ट्रीय मंच पर ले आए। राजू श्रीवास्तव का एक देसी किरदार, गजोधर भैया भी है। यह एक भोला और मासूम सा गांव का आदमी है, जिसके हर चीज को लेकर अपने अलग तरह के विचार रहते हैं। लेकिन गजोधर भैया की बातें ही हास्य पैदा करती हैं, क्योंकि वह काफी विचित्र होती हैं। राजू श्रीवास्तव ने सिर्फ अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल नहीं जीता है, उन्होंने आने वाले सभी कॉमेडियन को एक नई राह दिखाई। राजू ने साबित किया कि मौलिक रहकर, जमीन से जुड़कर भी अच्छी कॉमेडी की जा सकती है। कॉमेडियन को इन दिनों अपनी कॉमेडी के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, राजू श्रीवास्तव को भी ऐसी ही दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। वह अकसर ही अपनी कॉमेडी में दाउद इब्राहिम का मजाक उड़ाते थे। ऐसे में एक बार उनको पाकिस्तान से धमकी मिली कि दाउद का मजाक उड़ाना बंद कर दें, वरना अंजाम बुरा होगा।

लक्ष्मीनारायण वैश्विक संगीत पुरस्कार में सम्मानित हुए उस्ताद अमजद अली खान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। उस्ताद अमजद अली खान को प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो उनके शानदार करियर का प्रमाण है।20 दिसंबर 22 दिसंबर तक प्रतिष्ठित रसिका रंजनी सभा में लक्ष्मीनारायण ग्लोबल म्यूजिक फेस्टिवल के 2024-25 संस्करण का आयोजन किया गया, जिसमें वाद्य संगीत और नृत्य प्रदर्शन की शानदार सीरीज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव में प्रसिद्ध वादकों और उभरते सितारों का मिश्रण प्रदर्शित किया गया, जिसमें नादस्वरम पर विजय कार्तिकेयन और प्रकाश इलैयाराजा का मनमोहक प्रदर्शन, संतूर पर सतीश व्यास और मैंडोलिन पर यू राजेश के बीच मंत्रमुग्ध कर देने वाली जुगलबंदी और वायलिन पर अंबी सुब्रमण्यम का मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन शामिल था। लक्ष्मीनारायण युवा महोत्सव ने उभरती प्रतिभाओं के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें वीणा पर सी चारुलता और सरोद पर इंद्रयुद्ध मजूमदार शामिल थे। महोत्सव में नृत्य जगत में उनके अपार योगदान के लिए डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम को लक्ष्मीनारायण अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करते हुए संगीत के दिग्गजों को श्रद्धांजलि दी गई। भारतीय शास्त्रीय संगीत की एक महान शख्सियत उस्ताद अमजद अली खान को भी प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो उनके शानदार करियर का प्रमाण है।

लागत के 10 फीसदी तक भी पहुंचती नहीं दिख रही 'बेबी जॉन', संकट में वरुण धवन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। हालांकि, पहले दिन यह फिल्म उम्मीद के मुताबिक कलेक्शन करती नजर नहीं आ रही है।क्रिसमस पर इस साल वैसे तो घरेलू टिकट खिड़की पर डिज्नी की एनीमेशन फिल्म 'मुफासा' का ही जादू छाया हुआ है लेकिन हिंदी सिनेमा में कभी कॉमेडी, कभी सीरियस तो अब एक्शन फिल्म करके अपने तरह के अलग सांता बनने की कोशिश करते रहे अभिनेता वरुण धवन के लिए इस साल का क्रिसमस खास होने वाला है। उनकी नई फिल्म 'बेबी जॉन' उनके करियर की सबसे बड़ी रिलीज बन चुकी है। इतने स्क्रीन्स इसके पहले उनकी किसी फिल्म को नहीं मिले। लेकिन, क्या वरुण की ये फिल्म उनके करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग लेकर आएगी, इसका पता चलने में अब कम ही वक्त बचा है। सवाल ये भी कि ये ओपनिंग कितनी होगी और क्या ये फिल्म 'कलंक' के पहले दिन के कलेक्शन को पार कर पाएगी।फिल्म 'बेबी जॉन' से साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री कीर्ति सुरेश हिंदी सिनेमा में कदम रख रही हैं। फिल्म के ट्रेलर और गाने में उन्हें देख लोग अब तक उनके आलिया भट्ट होने के भ्रम में पड़ते रहे हैं। फिल्म में वामिका गब्बी भी एक खास किरदार में है जिनकी फिल्म 'खुफिया' में

खूब तारीफ हो चुकी है। जैकी श्रॉफ फिल्म में मुख्य विलेन हैं और फिल्म के निर्देशक हैं कालीस जिन्होंने फिल्म के निर्माता एटली के साथ लंबे समय तक सहायक के रूप में काम किया है।फिल्म 'बेबी जॉन' के पहले दिन के कलेक्शन की बात करने से पहले जान लेते हैं कि वरुण धवन की फिल्मों मे से किस फिल्म ने अब तक सबसे ज्यादा कलेक्शन रिलीज के पहले दिन किया है। इस लिस्ट में पहले नंबर है निर्माता करण जौहर की फिल्म 'कलंक' जिसने वरुण और आलिया की जोड़ी पर कलंक लगाने में कसर नहीं छोड़ी। फिल्म ने पहले दिन हालांकि वरुण के करियर का सबसे बड़ा कलेक्शन 21.60 करोड़ किया लेकिन फिल्म रविवार आते आते बैठ गई। दूसरे नंबर पर वरुण धवन की फिल्म 'जुड़वा' है जो सलमान खान की इसी नाम की बनी फिल्म का रीमेक थी और फिल्म ने रिलीज के पहले दिन '16.10' करोड़ रुपये कमाए थे। वरुण की फिल्मोग्राफी में सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्मों में तीसरे नंबर पर फिल्म 'एबीसीडी 2' है जिसकी ओपनिंग 14.30 करोड़ रुपये की लगी थी।फिल्म 'बेबी जॉन' करीब 180 करोड़ रुपये में बनी फिल्म बताई जाती है और इसकी लागत के हिसाब से इसको हिट होने के लिए रिलीज के पहले दिन कम से कम 36 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेनी चाहिए। फिल्म की एडवांस बुकिंग बहुत धीमी रही है और रिलीज की पूर्व संध्या यानी मंगलवार रात तक ये फिल्म एडवांस बुकिंग में तीन करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। ट्रेड पंडितों का मानना है कि फिल्म 'बेबी जॉन' के पहले दिन का कलेक्शन 13 से 16 करोड़ रुपये रह सकता है और ऐसा होने पर वरुण धवन की इस फिल्म की राह बॉक्स ऑफिस पर काफी मुश्किलों भरी हो सकती है।फिल्म एक ऐसे पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) की कहानी है जो अपने परिवार की रक्षा करने के लिए सब कुछ करने को तैयार रहता है। फिल्म में कुछ बेहद रोमांचक एक्शन दृश्य होने की जानकारी बाहर आती रही है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।